डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमाः स्मिता पाटिल के गुस्से पर फिदा हो गए थे राज बब्बर

वर्ष -08 अंक -100 | प्रयागराज, शुक्रवार 24 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान सरकार और आईएमएफ में हुई रजामंदी, लोगों पर पड़ेगी तगड़ी मार

पाकिस्तान । द न्यूज के मुताबिक सरकार अपने खर्च को घटा कर 152 अरब रुपये तक लाने पर सहमत हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल पर तुरंत पांच रुपये का और अतिरिक्त शुल्क लगेगा। धीरे-धीरे इस शुल्क को बढ़ा कर 30 रुपये तक ले जाया जाएगा। आईएमएफ ने इस शुल्क के जरिए पाकिस्तान सरकार को 550 अरब रुपये एकत्र करने को कहा है कर्ज की अगली किस्त जारी करने के सवाल पर पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बीच समझौता हो जाने की खबर है। पाकिस्तानी मीडिया के एक हिस्से में छपी खबर के मुताबिक इसका ब्योरा शुक्रवार या अगले सोमवार तक सामने आएगा। शहबाज शरीफ सरकार सत्ता में आने के बाद से आईएमएफ से कर्ज की किस्तें हासिल करने के लिए हाथ-पांव मार रही थी। समझा जाता है कि आईएमएफ ने इसके लिए कई शर्तें उसके सामने रखी थीं। ताजा खबर के मुताबिक मंगलवार रात दोनों पक्षों में सहमति बन गई। लेकिन यह पूरी तरह मालूम नहीं हो सका है कि आईएमएफ की किन-किन शर्तों को पाकिस्तान सरकार ने स्वीकार कर लिया है। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज के मुताबिक आईएमएफ ने शरीफ सरकार के 2022-23 से बजट से संबंधित कई शर्तें रखी थीं। इनमें सबसे प्रमुख शर्त सरकारी खर्च में इतनी कटौती की है, जिससे अगले वित्त वर्ष में पाकिस्तान का राजकोष रेवेन्यू सरप्लस हो जाए।

गुवाहाटी में बैठे 20 विधायक मुंबई लौटेंगे, संजय राउत का बड़ा दावा

नई दिल्ली । शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के तेवर अभी भी नरम नहीं हुए हैं। 37 से अधिक पार्टी विधायकों के समर्थन मिलने का दावा कर वे दलबदल विरोधी कानून को भी चुनौती देने के लिए तैयार हैं। इन सब के बीच बुधवार देर रात जहां शिवसेना के चार और बागी विधायक गुवाहाटी पहुंचे तो वहीं आज सुबह भी तीन और विधायक गुवाहाटी पहुंच गए। इससे पहले बुधवार शाम को ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों को संबोधित किया और देर रात सरकारी आवास छोड़कर मातोश्री पहुंच गए। आइए पढ़ते हैं महाराष्ट्र के सियासी संकट से जुड़ी पल-पल की अपडेट गुवाहाटी में रैडिसन ब्लू होटल जहां कि बागी विधायक ठहरे हुए हैं वहां टीएमसी ने धरना देना शुरू कर दिया है।

भूकंप के झटके से एक बार फिर कांपा नेपाल, काठमांठू से 161 किमी दूर रहा केंद्र

नेपाल। नेपाल में आज सुबह 5:19 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। जान-माल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है। नेपाल में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राजधानी काठमांडू से 161 किलोमीटर दूर इसका केंद्र बताया जा रहा है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। जान-माल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले 21 जून को अफगानिस्तान में भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। यहां 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद चारों तरफ बर्बादी और तबाही का ही आलम दिखाई दिया। अफगानिस्तान के एक अधिकारी के मुताबिक, इस भूकंप में अब तक 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। वहीं 1500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की भी सूचना है। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण सैकड़ों

घर भी तबाह हो चुके हैं। कर्नाटक में भूकंप आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार कर्नाटक के हासन जिले और पड़ोसी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.4 रही। जानें क्यों आता है भूकंप धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है। जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

अंतारिक्ष की ओर कदम अमेरिका के उद्योग सहयोगियों से डिजाइन प्रस्ताव मांगा गया

अमेरिका । नासा के मुताबिक, 40 किलोवाट की विखंडन प्रक्रिया पर आधारित सिस्टम के शुरुआती डिजाइन पर 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जो पृथ्वी पर 10 साल के लिए 30 घरों को मिलने वाली ऊर्जा प्रदान करेंगे। नासा चांद पर 40 किलोवाट का न्यूक्लियर रिएक्टर बनाने जा रहा है। नासा के मुताबिक, यह एक हल्का विखंडन प्रक्रिया पर आधारित ऐसा तंत्र है, जो चंद्रमा के रोवर की सतह पर 10 किलोवाट की बिजली ऊर्जा प्रदान करने के साथ वहां के औसत घरेलू ऊर्जा की आवश्यकता की आपूर्ति कर सकेगा। नासा के मुताबिक, 40 किलोवाट की विखंडन प्रक्रिया पर आधारित सिस्टम के शुरुआती डिजाइन पर 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जो पृथ्वी पर 10 साल के लिए 30 घरों को मिलने वाली ऊर्जा प्रदान करेंगे। यदि चंद्रमा की सतह पर यह सफलतापूर्वक प्रदर्शन करता है तो भविष्य में इसका उपयोग मंगल पर किया जा सकता है। प्रोजेक्ट में नासा, अमेरिका के ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर शोध कर रहा है। दोनों ने ही अमेरिका के उद्योग सहयोगियों से परमाणु

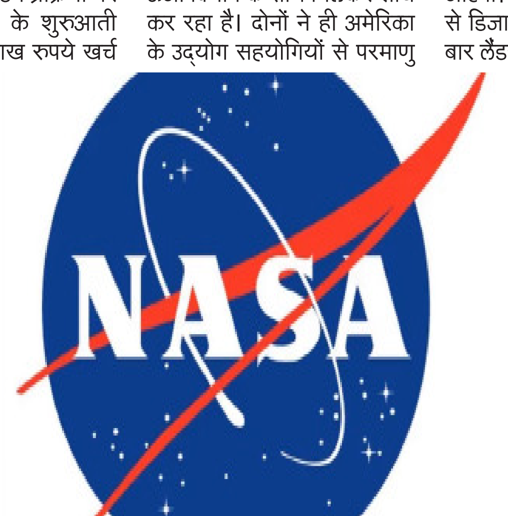

विखंडन ऊर्जा तंत्र के लिए डिजाइन देने को कहा है, जो चंद्रमा पर चल सके व उसे प्रक्षेपित कर सके। नासा के प्रवक्ता स्केली के मुताबिक, एजेंसी ऐसा फ्लाइट हार्डवेयर सिस्टम चाहती है जो चांद की सतह से 2026 तक इंटीग्रेट हो जाए। पेलोड की तरह जाएगा खुद ही करेगा ऑपरेट फिजन सरफेस पावर (विखंडन प्रक्रिया) सिस्टम पूरी तरह धरती पर बनेगा और फिर इसे जोड़ा जाएगा। इसके बाद इसे एक पेलोड की तरह लैंडर पर इंटीग्रेट किया जाएगा। सिस्टम को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि एक बार लैंडर चांद की सतह पर पहुंचा तो ये खुद ही अपनी तैनाती और ऑपरेट कर लेगा। इसके चार प्रमुख सब- हैं जिनमें एक परमाणु रिएक्टर, एक इलेक्ट्रिक पावर कन्वर्जन यूनिट, हीट रिजेक्शन ऐरे, पावर मैनेजमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन सब-सिस्टम शामिल हैं। चंद्रमा पर परीक्षण बड़ी चुनौती नासा और डिओए को अभी तक पिछले प्रयोगों में कुछ सफलता जरूर मिली है, लेकिन इसका चंद्रमा पर ही परीक्षण करना एक बड़ी चुनौती होगी। ऐसी होनी चाहिए क्षमताएं अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, इस तंत्र में ऐसी क्षमताएं होनी चाहिए जो एक छोटे, हल्के विखंडन तंत्र की तरह चंद्रमा की सतह पर काम कर सके। वहां कि औसत घरेलू ऊर्जा की आवश्यकताओं की पूरा किया जा सके। यह तंत्र चंद्रमा पर वैज्ञानिक प्रयोगों की जरूरतों की पूर्ति करने के लिए काम आएगा।

इमरान का कबूलनामा, 'खुदा गवाह है आईएसआई प्रमुख फैज अहमद को कभी सेना प्रमुख बनाने का नहीं सोचा'

ईस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान सत्ता से बेदखल होने को लेकर अब भी अफसोस जता रहे हैं। पाकिस्तान में सेना यानी एस्टेब्लिशमेंट सबसे अहम है। सत्ता में कौन रहेगा और कौन जाएगा, इसका भी फैसला उसकी परोक्ष सहमति से ही होता है। इमरान पर भी आरोप था कि वह अपने भरोसेमंद और खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख फैज अहमद को सेना प्रमुख बनाना चाहते थे। इसे लेकर इमरान खान ने सफाई देते हुए कहा, 'खुदा गवाह है मैंने कभी यह नहीं सोचा कि नवंबर में सेना प्रमुख कौन होगा।' पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा कि उनके विरोधियों का यह बयान गलत है कि वह अपनी पसंद का सेना प्रमुख बनाना चाहते थे। खान को अप्रैल में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के चलते पीएम पद छोड़ना पड़ा था। विपक्ष ने उन पर तमाम आरोपों के साथ यह आरोप भी लगाया था कि वह अपने करीबी लेफ्टिनेंट

जनरल फैज अहमद को पाकिस्तान का नया सेना प्रमुख नियुक्त करना चाहते थे। इस्लामाबाद में एक सेमिनार में इमरान खान ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि नवंबर 2022 में मौजूदा सेना प्रमुख का कार्यकाल पूरा होने के बाद अपनी पसंद का सेना प्रमुख बनाने का उन्होंने कभी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि इस बात का अल्लाह मेरा गवाह है।

ऑस्ट्रेलिया में संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित, जानें कौन-सी पार्टी को मिली जीत

ऑस्ट्रेलिया । संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित, जानें कौन-सी पार्टी को मिली जीत ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को हुए संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए गए। संसदीय चुनाव में मध्यमार्गी-वामपंथी लेबर पार्टी को जीत मिली थी, जिसके बाद एंटनी अल्बनीस देश के प्रधानमंत्री बने थे। ऑस्ट्रेलियाई निर्वाचन आयोग ने बुधवार को विक्टोरिया राज्य की कूपर सीट का परिणाम घोषित किया, जिस पर लेबर पार्टी को जीत मिली है जबकि ओकोनोर सीट पर विपक्षी कंजर्वेटिव लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की। इसके साथ ही 151 सदस्यीय निचले सदन प्रतिनिधि सभा में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के सांसदों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है और उसके पास मामूली बहुमत है लेबर पार्टी को सीनेट में मुश्किलें लेबर पार्टी को प्रतिनिधि सभा में विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों या निर्दलीय सांसदों के समर्थन की जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन ऊपरी सदन (सीनेट) में उसके पास 76 में से 26 सीटें हैं। यहां उसे बिल पारित कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

भारत ने यूएन में कहा : हिंसा के लिए उकसाना शांति, सहिष्णुता, सद्भाव की भावना के खिलाफ

नई दिल्ली ।भारतीय राजदूत ने कहा, यह सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों व भेदभाव के खिलाफ अभियान कुछ चुनिंदा धर्मों और समुदायों तक ही सीमित न रहें, बल्कि इसके दायरे में सभी प्रभावितों को शामिल करना चाहिए। यूएन में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर. रवींद्र ने कहा कि हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है। यूक्रेन पर आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा, सांविधानिक दायरे में विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के

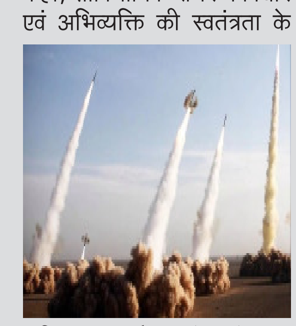

अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने तथा असहिष्णुता का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण होता है उन्होंने कहा, निस्संदेह आतंकवाद सभी धर्मों और संस्कृतियों का विरोधी है। सुरक्षा परिषद की बैठक का विषय 'हिंसा को उकसावे से अत्याचार अपराध को बढ़ावा' था। रवींद्र ने कहा, हमें कट्टरपंथ व आतंकवाद का सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि लोकतंत्र और बहुलवाद के सिद्धांतों पर आधारित समाज विविध समुदायों को एक साथ रहने के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करता है। भारतीय राजदूत ने कहा, यह सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों व भेदभाव के खिलाफ अभियान कुछ चुनिंदा धर्मों और समुदायों तक ही सीमित न रहें, बल्कि इसके दायरे में सभी प्रभावितों को शामिल करना चाहिए। रवींद्र ने चिंता जताई कि यूक्रेन संकट ने सिर्फ यूरोप ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर असर डाला है और इससे अस्थिरता पैदा हो रही है।

रूसी सेना ने खारकीव पर की रॉकेटों की बारिश 15 की मौत, बाहरी इलाके में बने घर नष्ट

नई दिल्ली। यूक्रेन के नेशनल बैंक द्वारा जारी जून 2022 की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी हमले के बाद उसके वैश्विक भागीदारों ने 30 अरब डॉलर की सहायता राशि उसे प्रदान की है। यूक्रेन के साझेदार भी बजट व्यय को वित्तपोषित करने के लिए सीधे वित्तीय मदद देते हैं। रूस की सेनाओं ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव और आसपास के इलाकों पर मंगलवार रात और बुधवार सुबह रॉकेटों की बारिश कर दी। इससे कम से कम 15 लोग मारे गए और 16 घायल हो गए। बताया जा रहा है, इस हमले के पीछे रूस का इरादा यूक्रेन की सेना को मुख्य युद्धस्थल से हटाकर शहरियों की रक्षा पर मजबूर करने का है खारकीव में सामान्य जीवन पटरी पर लौट रहा था, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह के सबसे भीषण हमले ने हालात फिर बिगाड़ दिए हैं। पिछले माह यूक्रेनी सेना ने यहां से रूसी सेनाओं को खदेड़ दिया था। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है, इससे शहर के बाहरी इलाके में बने घर भी नष्ट हो गए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्से एरेतोविच ने वीडियो संबोधन में कहा, रूसी हमले उसी तरह के थे, जैसे उसने मैरियूपोल पर किए थे। इनका लक्ष्य लोगों को डराना है। वह ऐसा करना जारी रखते हैं तो हमें प्रतिक्रिया देनी पड़ेगी। इसके लिए हमें सेना को शहरों में लाना पड़ेगा।ड्रोन से हुआ था रिफाइनरी पर हमला यूक्रेन में दोनबास सीमा से महज आठ किलोमीटर दूर स्थित रूस की नोवोशखतिंस्क तेल रिफाइनरी पर हमले के संबंध में समाचार एजेंसी तास ने बताया, यह हमला ड्रोन से किया गया था। इस इलाके पर रूस समर्थक अलवाववादियों का कब्जा है। द्वितीय विश्व युद्ध से बची बुजुर्ग महिला बनी निशाना स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया, एक बर्बाद हुए गैरेज से 85 साल की बुजुर्ग महिला का शव बरामद हुआ था। उसके पोते माइक्ता ने बताया, दादी द्वितीय विश्व युद्ध की गवाह थीं। उस समय वह जान बचाने में कामयाब रहीं। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद भी वह यहां से कहीं जाने के लिए तैयार नहीं थीं।

राशन लेने गए नवयुवक पर हुआ हमला,सात लोगों पर हुआ मुकदमा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। साँगीपुर थाना क्षेत्र के भुड़हा, सूबेदार का पुरवा निवासी अमरजीत पटेल पुत्र चंद्रजीत पटेल के द्वारा थाने में दी गई तहरीर के आधार पर 7 लोगों पर उस पर हमला करने,मारने पीटने आदि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।अमरजीत पटेल सुत चंद्रजीत पटेल का आरोप कि वह राशन लेने राशन की दुकान पर गया था।उसे राशन नहीं दिया गया।उसे डाँट कर भगा दिया गया। जब वह घर जा रहा था तो रास्ते में 15से 20 लोगों ने गडा० बनाकर उसके ऊपर हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया।उसने धर्मेंद्र सिंह,वैभव सिंह,आकाश सिंह, मोनू सिंह,प्रवीण सिंह ,शैलेंद्र सिंह ,जय सिंह व लगभग 20 अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है।पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 323, 308,352, 394,427, 504 के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।हकीकत क्या है यह तो पुलिस तफ्तीश के बाद ही मालूम हो पाएगा।

युवती की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटो किया अपलोड

प्रयागराज । चौक क्षेत्र की रहने वाली युवती को कुछ दिन पहले राधिका वर्मा नाम की लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। युवती ने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर दी और दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ दिनों बाद राधिका ने बताया कि वह लड़की नहीं लड़का है लेकिन तब तक दोनों में गहरी दोस्ती हो गई थी। कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसके फेसबुक फ्रेंड ने अश्लील फोटो अपलोड कर दी। आरोपी ने युवती के पिता को धमकी दी है कि उसने दो लाख नहीं दिए और भी फोटो अपलोड कर देगा। युवक के खिलाफ कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। चौक क्षेत्र की रहने वाली युवती को कुछ दिन पहले राधिका वर्मा नाम की लड़की की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। युवती ने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर दी और दोनों में बातचीत होने लगी। कुछ दिनों बाद राधिका ने बताया कि वह लड़की नहीं लड़का है लेकिन तब तक दोनों में गहरी दोस्ती हो गई थी। उसने अपना असली नाम सागर सोनी निवासी लखनऊ बताया। सागर ने युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया और उससे मोबाइल पर बातें करने लगा। वह युवती को अश्लील फोटो और वीडियो भेजने लगा तो युवती ने मना किया लेकिन वह नहीं माना। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। युवती ने उसका फोन उठाना बंद कर दिया तो सागर ने युवती के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाई और उसके जान पहचान वालों को टैग करते हुए अश्लील फोटो अपलोड कर दी। परिवार में हड़कंप मच गया। युवती के पिता ने सागर से बात कर समझाने की कोशिश की।सागर ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि अगर दो लाख नहीं दोगे तो लड़की को उठा ले जाएंगे। पैसे नहीं दोगे तो इसी तरह फोटो अपलोड करता रहूंगा। युवती के पिता ने पूरी बात को टेप कर लिया। उन्होंने कोतवाली थाने में तहरीर दी। ऑडियो और स्क्रीन शॉट भी पुलिस को दिया। सागर सोनी के खिलाफ आईटी एक्ट, धोखाधड़ी तथा धमकी समेत कई धाराओं में 21 जून को रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इंस्पेक्टर अमर सिंह रघुवंशी ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए जल्द पुलिस टीम भेजी जाएगी।

ऑक्सीजन प्लांट तो लगा दिया कनेक्टिविटी देना भूल गए.....................

प्रयागराज । कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर से निबटने के लिए सरकार को भेजे गए तैयारियों के आंकड़ों और जमीनी हकीकत में बड़ा फर्क सामने आया है। 226 बेड वाले तेज बहादुर सप्रू अस्पताल के आपरेशन थिएटर समेत चार वार्डों के बेडों पर भर्ती मरीजों को ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है।

अटाला हिंसा मामले में एआईएमआईएम और सपा नेताओं की संपत्ति होगी कुर्क, पुलिस ने की तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। अटाले में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद भड़की हिंसा के मामले में आरोपी बनाए गए ऑल इंडिया मजलिस ए मुस्लिमीन और समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं की संपत्ति कुर्क की जाएगी। पुलिस ने इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एमआईएम के जिलाध्यक्ष शाह आलम, पार्टी नेता जीशान रहमानी, सपा पार्षद फ़ज़ल खान, वामपंथी नेता आशीष मित्तल और एक्टिविस्ट उमर खालिद के खिलाफ पहले से गैर जमानती वारंट जारी है ये पांचों हिंसा मामले में नामजद आरोपी हैं। अब उनकी संपत्तियां भी कुर्क कर ली जाएंगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पुलिस अब कोर्ट में सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कुर्की की प्रक्रिया शुरू करने की नोटिस जारी किए जाने की इजाजत मांगेगी।

नम आँखों से रेलवे कर्मचारियों ने अपने आरक्षण पर्यवेक्षक को दी विदाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक कुंवर नीरज सोमवंशी के विदाई समारोह में अमेठी रेलवे स्टेशन पर साथियों ने नम आँखों से विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी शालीनता, विनम्रता साथियों संबोधन में चर्चा का विषय बनी रही।जहाँ साथियों ने कुंवर नीरज सिंह को फूल मालाओं से लाद दिया वहीं साथियों से अलग हो रहे रिटायर्ड कुंवर नीरज सिंह भावुक हो गए। उन्होंने कहा सबके साथ में नौकरी में बिताए हर एक पल हमेशा मेरे दिल में सभी साथियों की यादें तरोताजा करते रहेंगे और सभी साथी सदैव मेरे दिल में बने रहेंगे। समारोह में मुख्य रूप से स्टेशन अधीक्षक मो0शहबाज मुज्जफर, सीसीएस एस बी सिंह, प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल सीएस मिश्र जी, सिगन्ल इंस्पेक्टर कुणाल ,सहायक स्टेशन मास्टर श्री सतीश सिंह ,सहायक स्टेशन मास्टर श्रीवास्तव जी, कुंवर साहब का स्थान ग्रहण करने वाले राजेन्द्र कुमार पाण्डेय सब इंस्पेक्टर शिवसागर सिंह, टीटी श्री राजेन्द्र सिंह यादव , पूर्व स्टेशन अधीक्षक स्वामी नाथ पाल पूर्व स्टेशन अधीक्षक प्रताप गढ़ कैलाश शर्मा तिथियों के इंचार्ज केके सिंह , आरपीएफ सिपाही विकास जाट पवन यादव, मुकेश समस्त स्टाफ मानव जन सेवा संस्थान के संयोजक मोहम्मद अहमद, बिजली विभाग के इंचार्ज यादव जी मानव जन सेवा संस्थान के विशेष कर्ता-धर्ता राम लखन सिहं आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

सरकार की पेंशन योजना ने लोगों के आत्मविश्वास में किया वृद्धि

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार की वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन ने लोगों के आत्मविश्वास में वृद्धि किया है जिससे उनको जीवन जीने का एक नया सम्बल प्राप्त हुआ है। सरकार ने पेंशन राशि में वृद्धि करके पेंशन लाभार्थियों को एक बड़ा सहारा दिया है।जो पेंशन पहले 500 रू0 प्रतिमाह थी उसे बढ़ाकर 1000 रू0 प्रतिमाह की दर से कर दिया है। प्रदेश के 58 लाख वृद्धजनों, 31 लाख निराश्रित महिलाओं, 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रू0 प्रतिमाह की दर से पेंशन दी जा रही है। यह सभी पात्र लाभार्थी समाज के ऐसे पुरूष, महिला, दिव्यांगजन हैं जिन्हें परिवार के लोग बोझ समझते हैं। मुख्यमंत्री ने समाज के इन वर्गों को 12000 रूपये वार्षिक पेंशन देते हुए आत्म सम्मान से जीने के लिए समर्थ बनाया है। आज किसान/वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन के लाभार्थी समाज में सिर ऊंचा कर जी रहे हैं और प्रदेश सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं। प्रदेश में कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों के भरण पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ''उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'' शुरू की है, जिसमें शून्य से 18 वर्ष की उम्र तक के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों या माता/पिता की कोविड से मृत्यु हुई है ऐसे बच्चों के भरण-पोषण शिक्षा चिकित्सा हेतु 4000 रू0 प्रतिमाह दिया जा रहा है। बालिकाओं के बालिग होने पर शादी के लिए रूपये 1,01,000 (एक लाख एक हजार रूपये) दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 11049 बच्चों को आर्थिक सहायता दी गई है। उसी तरह जिन बच्चों ने कोरोना काल में कोविड से इतर कारणों से अपने माता-पिता को खोया है उन्हें उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत 2500 रू0 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। प्रदेश में अब तक 5284 बच्चों को चिन्हांकित कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में समान लिंगानुपात, कन्या भ्रूण हत्या रोकने व लोगों में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए दो बालिकाओं तक के जन्म पर संचालित ''मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत'' 12.68 लाख से अधिक बालिकाओं को 15 हजार रू0 प्रति बालिका दिया गया है। सभी वर्गों के गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह हेतु संचालित ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत'' प्रदेश में अब तक 1.75 लाख जोड़ों से अधिक तथा श्रमिकों की कन्याओं के विवाह हेतु संचालित ''कन्या विवाह अनुदान योजनान्तर्गत'' 94 हजार कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया है। प्रदेश में समेकित बाल विकास सेवा योजनान्तर्गत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चो, गर्भवती व धात्री महिलाओं को अनुपूरक पुष्टाहार वितरित किया जा रहा है।प्रदेश के 15 करोड़ अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को निःशुल्क गेहूॅ, चावल खाद्यान्न के साथ-साथ आयोडाइज्ड नमक, चना, दाल, साबुन, रिफाइन्ड, खाद्य तेल का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा 3 करोड़ मजदूरों को मार्च, 2022 तक 500 रूपये प्रतिमाह भत्ता और 98 लाख नागरिकों को 1000 रूपये प्रतिमाह का भत्ता दिया गया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1.67 करोड़ महिलाओं को मुफ्त घरेलू कुकिंग गैस कनेक्शन देने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना है। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के 42.50 लाख पात्रों को तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1.02 लाख परिवारों को छत मुहैया कराई गई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2.61 करोड़ व्यक्तिगत शौचालय/इज्जतघर का निर्माण कराया गया जो देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजनान्तर्गत 10 करोड़ लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश के गरीबों को सौभाग्य योजनान्तर्गत 1.41 करोड़ घरों में मुफ्त विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। प्रदेश में शुद्ध पीने के पानी की आपूर्ति सरकार घरों में कर रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश सरकार 4.67 करोड़ घरों को शुद्ध पाइप पेयजल की सुविधा 'हर घर नल' योजना के अंतर्गत आपूर्ति कर रही है।

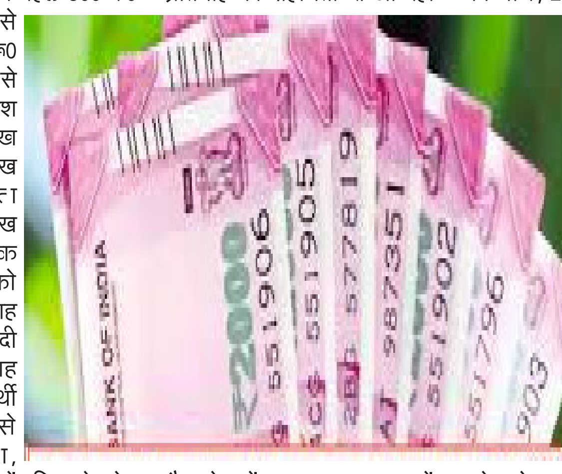

छात्रावास में अराजक तत्वों वसूली का मामला हो या छेड़खानी और बमबाजी की

प्रयागराज । ऐसी कई घटनाओं में हॉस्टल में रहने वालों के नाम सामने आए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर हॉस्टल के वैध अंतःवासी नहीं हैं और इनमें से कई के खिलाफ आपराधिक मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। हालैंड हॉल हॉस्टल यानी 122 वर्षों का वह सुनहरा इतिहास, जिसे याद कर अब भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) से जुड़े छात्रों और पूर्व छात्रों का सीना फख्र से चौड़ा हो जाता है। दुर्भाग्य कि अब यह हॉस्टल अराजकता के लिए जाना जाता है, जिसका जीता-जागता उदाहरण है पिछले कुछ दिनों में हुईं घटनाएं। इन घटनाओं के बाद पुलिस ने हॉस्टल के अवैध अंतःवासियों पर शिकंजा कसा तो भयवश यहां रहने वाले वैध छात्रों में भी आधे कमरे छोड़कर चले गए। वसूली का मामला हो या छेड़खानी और बमबाजी का, ऐसी कई घटनाओं में हॉस्टल में रहने वालों के नाम सामने आए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर हॉस्टल के वैध अंतःवासी नहीं हैं और इनमें से कई के खिलाफ आपराधिक मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। हॉस्टल का संचालन एवं रखरखाव चर्चेज ऑफ नॉर्थ इंडिया की लखनऊ डायोसिस के जिम्मे है। हर साल विश्वविद्यालय मेरिट तैयार कर संस्था को दे देता है और इसके बाद संस्था अपने स्तर से प्रवेश प्रक्रिया पूरी करती है। फीस भी संस्था जमा करती है। एक साल की फीस 14 हजार रुपये है और हॉस्टल में 101 कमरे हैं। वर्ष 2018 में 58 कमरों में छात्रों को प्रवेश दिए गए थे। तब से हॉस्टल में न कोई अधीक्षक है और न ही कोई वार्डन। 58 कमरों में भी आधे छात्र आए दिन हो रही अराजकता से त्रस्त होकर हॉस्टल छोड़कर जा चुके हैं। हॉस्टल में अब तकरीबन 30 छात्र ही वैध रूप से रह रहे हैं, लेकिन अराजकतत्वों के भय से वह भी खुलकर बोलने से कतराते हैं। कुछ छात्रों ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले माफिया और गुंडों ने 80 फीसदी कमरों पर कब्जा कर रखा है। यहां तक कि मेस के ऊपर बनी लाइब्रेरी पर भी अवैध कब्जा हो गया है। लाइब्रेरी की किताबें एक किनारे रख दी गई हैं। हालैंड हॉल हॉस्टल में पिछले तीन साल से कोई अधीक्षक और वार्डन नहीं है। हॉस्टल का संचालन करने वाले ट्रस्ट ने भी हॉस्टल को उसकी बदहाली पर छोड़ दिया है। छात्रों का कहना है कि वर्ष 2019 में ट्रस्ट की ओर से फीस जमा करने के लिए अशोक मसीह की नियुक्ति की गई थी। उन्होंने कुछ छात्रों की फीस जमा की थी, लेकिन उसकी कोई रसीद नहीं दी। बाद में उनका तबादला बरेली हो गया। तीन साल से छात्र साफ-सफाई, पानी आदि की व्यवस्था के लिए चंदा जुटाकर काम चला रहे हैं। हॉस्टल के हालात 2018 के बाद से ही बिगड़ने लगे थे। इविवि ने अपने यहां के छात्रों की लिस्ट ट्रस्ट को सौंप दी और ट्रस्ट ने हॉस्टल में छात्रों का प्रवेश भी ले लिया, लेकिन छात्रों और हॉस्टल की जिम्मेदारी किसी से नहीं ली। इविवि प्रशासन ने भी यह कहकर हॉस्टल की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया कि हॉस्टल का संचालन ट्रस्ट करता है और दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी प्रबंधन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं से हाथ पीछे खींच लिए। हालैंड हॉल पुरा छात्र एसोसिएशन ने भी हॉस्टल की अव्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन के के सचिव सुधीर सिंह बताते हैं कि अराजकता के कारण कुछ छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है। उन्होंने जब छात्रों से पूछा कि ऐसा क्यों किया तो पता चला कि आए दिन उनके कमरों में कोई न कोई अराजक तत्व चला आता था और कहता था कि पुलिस पीछा कर रही है, इसलिए कमरे में छिपा लो। इन छात्रों ने भयवश हॉस्टल छोड़ दिया, ताकि भविष्य में कोई दिक्कत न हो। 15 नवंबर 2021 को हालैंड हॉल पुरा छात्र सम्मेलन में कुलपति से आग्रह किया गया था कि हॉस्टल को गोद लेकर बदहाली से बाहर निकालें, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ।

पीएचक्यू के पास ढाबे पर बमबाजी में इंटरस्टेट गैंग के सरगना समेत पांच गिरफ्तार

प्रयागराज। सिविल लाइंस में पीएचक्यू के पास 20 जून की रात हरीश ढाबे पर बमबाजी की गई थी। वहां उस वक्त तमाम लोग खाना खा रहे थे। घटना से वहां दहशत फैल गई थी। ढाबा मालिक चंदन अरोरा ने घटना में दो युवकों को नामज करते हुए पांच अज्ञात पर केस दर्ज कराया था। पीएचक्यू के पास हरीश ढाबे पर बमबाजी के मामले में पुलिस ने इंटरस्टेट गैंग के सरगना विवेक यादव उर्फ बागी समेत पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गैंग में शामिल तीन अन्य बदमाशों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पकड़े गए बदमाशों के पास से बम और तमंचों के साथ वह कार भी बरामद कर ली गई है जिससे घटना को अंजाम दिया गया था। तीन बदमाश इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। दो वर्तमान छात्र हैं। वे अवैध रूप से हालैंड हॉल के तीन कमरों में रहते थे। सिविल लाइंस में पीएचक्यू के पास 20 जून की रात हरीश ढाबे पर बमबाजी की गई थी। वहां उस वक्त तमाम लोग खाना खा रहे थे। घटना से वहां दहशत फैल गई थी। ढाबा मालिक चंदन अरोरा ने घटना में दो युवकों को नामजद करते हुए पांच अज्ञात पर केस दर्ज कराया था। पुलिस को कार नंबर मिल गया था। यह भी पता चल गया था कि हमलावर हालैंड हॉस्टल से आए थे। सूचना पर वहां छापा मारा गया। वह कार बरामद हो गई जिससे घटना को अंजाम दिया गया था। उसी समय पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में ले लिया था। बाद में उनसे पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को प्रेस कांफ्रेंस में पूरे मामले का खुलासा किया गया। घटना को इंटरस्टेट गैंग के सरगना विवेक यादव उर्फ विवेक बागी और उसकी गैंग के बदमाशों ने अंजाम दिया था। पुलिस ने विवेक यादव, अमित गिरि, हिमांशु सिंह, संदीप यादव और भानु प्रताप यादव को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से स्विफ्ट कार, दो तमंचे, पांच बम और सात मोबाइल बरामद किए हैं। पांचों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि शराब पीने से मना करने पर उन्हें गुस्सा आ गया था, इसलिए उन लोगों ने ढाबा मालिक को टारगेट करते हुए बमबाजी की थी। उनके साथ तीन और लोग थे जिसमें अभिषेक शुक्ला, सोनू और अभिषेक यादव शामिल हैं।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

वाराणसी में 200 फीट गहरे बोरवेल में गिरने से किशोर की मौत, बचाने के लिए चचेरे भाई ने भी दांव पर लगाई जान

वाराणसी। पिंडरा क्षेत्र के बिंदा गांव में जल निगम की ओर से खोदे गए 200 फीट गहरे बोरवेल में गिरने से बुधवार शाम अनिकेत यादव (13) की मौत हो गई। वाराणसी के पिंडरा क्षेत्र के बिंदा गांव में जल निगम की ओर से खोदे गए 200 फीट गहरे बोरवेल में गिरने से बुधवार शाम अनिकेत यादव (13) की मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए बोरवेल के पास पहुंचा था। 70 फीट नीचे पानी में अटके अनिकेत को उसके चचेरे भाई धर्मेंद्र ने रस्सी और हुक के सहारे बाहर निकाला। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फूलपुर थाना अंतर्गत बिंदा गांव में हर घर नल योजना के तहत जल निगम की ओर से नलकूप लगाने के लिए बोरिंग की जा रही है। हफ्ते भर पूर्व बोरिंग की गई और पानी न मिलने पर ठेकेदार उसे बिना पाटे चला गया। जल निगम के ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

शाम लगभग पांच बजे राधेश्याम का बेटा अनिकेत दोस्तों के साथ बोरवेल के पास पहुंचा और अचानक उसमें गिर गया। दोस्तों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए। चचेरे भाई को बचाने के लिए धर्मेंद्र यादव बोरवेल में लगभग 30 फीट नीचे रस्सी के सहारे उतर गया लेकिन जब उसकी सांस फूलने लगी तो वह फिर बाहर आ गया। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से रस्सी और हुक के जरिये 70 फीट नीचे पानी में अटके अनिकेत को निकालने का प्रयास करने लगा। इसी बीच हुक अनिकेत की शर्ट में फंस गया और सभी ने मिलकर उसे बाहर निकाला। फूलपुर थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा के अनुसार जल निगम के ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। अंतिम सांस तक लड़ा अनिकेत हर घर नल योजना के लिए खोदे गए बोरवेल के गड्ढे में गिरने के बाद अनिकेत अंतिम सांस तक लड़ता रहा। अंदर से आ रही आवाज को सुनकर बेचैन हो रहा चचेरा भाई धर्मेंद्र खुद को नहीं रोक पाया और रस्सी के सहारे अपनी जान जोखिम में डालकर बोरवेल में उतर गया। हालांकि अंदर आक्सीजन की कमी होने पर वह ज्यादातर देर तक नहीं टिक पाया और फिर बाहर निकल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने कुएं में डाली जाने वाली कटिया को रस्सी के सहारे गड्ढे में डाला। कटिया अनिकेत के कपड़ों में फंसने के बाद उसे खींच कर बाहर निकाला गया। जिंदगी से जंग लड़ रहे अनिकेत की सांसे अस्पताल पहुंचते-पहुंचते थम गईं। बेटे के शव से लिपटकर मां ऊषा देवी और बहनें बिलख रही थी। तीन बहनों और तीन भाइयों में अनिकेत चौथे पर नंबर पर था। मां के अनुसार शाम के समय घर से खेलते हुए निकला था, क्या पता था कि बेटा आखिरी बार घर से जा रहा था। परिजनों के करुण क्रंदन से मौजूद हर किसी की आंखें डबडबा जा रही थीं। अस्पताल में नहीं थे चिकित्सक, ग्रामीणों ने किया हंगामा बोरवेल में गिरे अनिकेत को अचेतावस्था में लेकर परिजन जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो वहां चिकित्सक ही नहीं थे। इसे लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू किया। किशोर को अस्पताल के बाहर चबुतरे पर लिटाकर उसके पेट से पानी निकालते रहे। हंगामे के आधे घंटे के बाद चिकित्सक पहुंचे और किशोर को देखते ही मृत घोषित कर दिया। चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव ने बताया कि 30 मिनट बाद एक चिकित्सक आए और देखने के बाद कहा कि दम तोड़ चुका है। हालांकि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष सिंह ने आरोप को बेबुनियाद बताया। उधर, परिजन थाने की पुलिस पर भी नाराजगी जाहिर की। अनहोनी को लेकर आशंकित रहते थे ग्रामीण जिस बोरवेल में अनिकेत की गिरने से मौत हुई, उसके कुछ दूरी पर भी बोरिंग हुई थी और पानी नहीं निकलने पर ठेकेदार बिना पाटे छोड़ दिया था, जिसे ग्रामीणों ने पाटा था। तभी से ही ग्रामीण किसी अनहोनी को लेकर आशंकित रहते थे। ग्रामीणों के अनुसार एक माह से चल रही बोरिंग के कार्य में हद दर्जे की लापरवाहियां बरती गईं। जल निगम के अधिकारियों ने कभी गांव में भ्रमण करके कार्यों का निरीक्षण तक नहीं किया। हादसे के बाद जिलाधिकारी ने बैठाई जांच जल जीवन मिशन योजना के तहत पिंडरा के बिंदा गांव में खोदे गए बोरवेल के लिए गड्ढे में गिरकर हुई मौत के मामले में जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों व ठेकेदार की लापरवाही पर एसडीएम पिंडरा को जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही जिले भर में 250 से ज्यादा गांवों में बोरवेल के लिए की जा रही खुदाई के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन पर भी विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि बोरवेल खोदाई लिए तय सुरक्षा मानक के लिए शासन स्तर से गाइड लाइन जारी है। समय समय पर सुरक्षा मानकों के लिए निर्देश भी दिए जाते हैं। बिंदा गांव में बोरवेल खुदाई वाली जगह पर सुरक्षा मानक अपनाए गए या नहीं, इसकी जांच का आदेश दिया गया है। एसडीएम से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। इसमें प्रथम दृष्टया विभागीय अधिकारियों व ठेकेदार की लापरवाही सामने आ रही है। एसडीएम की रिपोर्ट के बाद जिम्मेदारी तय करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की गाइड लाइन के अनुसार मुआवजे की भी कार्रवाई कराई जाएगी।

वाराणसी में धूप व उमस ने बढ़ाई परेशानी, इस सप्ताह के अंत में मानसून आने के आसार

वाराणसी। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली थी, लेकिन उसके बाद मौसम ने ऐसा करवट लिया है कि लोगों की परेशानी फिर से बढ़ गई। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली थी, लेकिन उसके बाद मौसम ने ऐसा करवट लिया है कि लोगों की परेशानी फिर से बढ़ गई। वाराणसी में चिलचिलाती धूप और उमस से लोग परेशान है। हालांकि तापमान अभी भी 39-40 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो उमस बढ़ने की वजह हवा का नम होना है। हवा नम होती है तो उमस बढ़ती ही है। इसलिए लोगों को गर्मी का एहसास ज्यादा हो रहा है। गुरुवार सुबह से सूरज के तेवर में तल्खी है। वहीं हवा बेहद हल्की-हल्की बह रही है। जो गर्मी से राहत देने के लिए नाकाफी है। अब हर कोई मानसून के आने का इंतजार कर रहा है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक एसएन पांडेय ने बताया कि इस सप्ताह के अंत तक तक मानसून के जिले में दस्तक की संभावना है।

प्रेमी के घर पहुंची प्रेमिका ने काटा बवाल, खुद को कमरे में किया बंद

वाराणसी। के एक गांव में एक युवती सुबह-सुबह अपने प्रेमी के घर पहुंच गई और उससे शादी की जिद करने लगी। युवक के घरवालों ने इनकार किया तो युवती ने प्रेमी के घर में ही खुद को कमरे में बंद

कर लिया। वाराणसी के फूलपुर थाना अंतर्गत एक गांव में बुधवार की सुबह से लेकर दोपहर तक प्रेमी और प्रेमिका का हाई वोल्टेज ड्रामा चला। प्रेमी के घर में रहने को अड़ी प्रेमिका ने जमकर बवाल काटा और प्रेमी के कमरे में खुद को बंद कर लिया। प्रेमिका को बाहर निकलवाने के लिए प्रेमी के परिजनों को पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस ने दोपहर बाद दोनों को थाने लाई और फिर समझा बुझाकर भेजा। फूलपुर थाना अंतर्गत अकबालपुर और अजईपुर दोनों सटा गांव है। अकबालपुर निवासी युवक और अजईपुर निवासी युवती के बीच काफी दिनों से प्रेम संबंध है। सुबह पांच बजे ही युवती अपने प्रेमी के घर पहुंच गई और युवक के साथ में रहने के लिए जिद पर अड़ गई। युवक के परिजनों ने इसकी सूचना युवती के परिवार वालों को दी। जब परिजन पहुंचे तो उन्हें देख युवती ने अपने को एक कमरे में कैद कर लिया। काफी मान मनौव्वल के बाद भी कमरे से बाहर न निकलने पर युवती के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। युवती को बाहर निकलवाने में युवक के परिजन परेशान हो गए। युवती किसी की भी बात मानने को तैयार नहीं थी।

आजमगढ़ में आज 1149 मतदान केंद्रों पर वोटिंग जारी, 18.38 लाख मतदाता करेंगे 13 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

आजमगढ़ । लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आज मतदान जारी है। 1149 मतदान केंद्रों पर पांच विधानसभाओं के 1838930 मतदाता 13 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए आज का दिन अहम है। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर सुबह सात बजे से 1149 मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू हो गया है जो शाम छह बजे तक चलेगा। सुबह से ही बूथों पर मतदाता पहुंचने लगे। उमसभरी गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह नजर आ रहा है। सुबह नौ बजे तक मतदान प्रतिशत 9.21 रहा। विधानसभावार देखा जाए तो गोपालपुर के मतदाता सबसे जागरूक दिखे, वहां 10.1 मतदान प्रतिशत रहा।मतदान के बाद पोलिंग पार्टियां अपने बूथों से एफसीआई गोदाम बेलइसा पहुंचेंगी जहां ईवीएम को जमा किया जाएगा। उपचुनाव में आजमगढ़ संसदीय सीट के पांच विधानसभा आजमगढ़, गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर और सुरक्षित सीट मेंहनगर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।इस उपचुनाव में कुल 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या नौ लाख 70 हजार 935 और महिला मतदाताओं की कुल संख्या आठ लाख 67 हजार 968 है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के आजमगढ़ सदर संसदीय सीट से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई सीट पर उपचुनाव हो रहा है। सर्फुद्दीनपुर बूथ का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण मतदान शुरू होते ही डीएम विशाल भारद्वाज और एसपी अनुराग आर्य बूथों का चक्रमण करने निकल पड़े। सबसे पहले उनका काफिला सर्फुद्दीनपुर बूथ पर पहुंचा। इस दौरान डीएम और एसपी ने लोगों से निर्भिक होकर मतदान करने की अपील की। बताते चलें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सर्फुद्दीनपुर बूथ पर बूथ कैप्चरिंग की शिकायत पर सपा और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हो गई थी। जिसे देखते हुए इस बूथ को लेकिन पुलिस प्रशासन काफी मुस्तैद नजर आ रहा है। एसपी ने चुनाव के दौरान सुरक्षा की व्यवस्थाओं पर प्रकाश डाला। विधानसभावार महिला व पुरुष मतदाताओं की स्थिति उपचुनाव को सकुशल कराने के लिए जिला प्रशासन ने लोकसभा क्षेत्र आजमगढ़ को 15 जोन और 137 सेक्टर में बांटा है। प्रत्येक विधानसभा में तीन-तीन जोन और 28 से 30 की संख्या में सेक्टर बांटे गए हैं।बदली सियासी परिस्थितियों में आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र का उपचुनाव रोचक हो गया है। आजमगढ़ में सैफई परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर है। शीर्ष नेतृत्व को आजमगढ़ में प्रत्याशी तय करने में वक्त जरूर लगा, लेकिन इसके पीछे कई वजहें रहीं। हालांकि तमाम चर्चाओं के बाद यहां से पूर्व धर्मेंद्र यादव का नाम तय किया गया। ऐसे में सपा के सामने गढ़ बचाने की चुनौती है। आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में करीब 18.38 लाख मतदाता हैं। इनमें करीब साढ़े तीन लाख यादवों समेत ओबीसी के कुल मतदाताओं की संख्या साढ़े छह लाख से अधिक है। साढ़े चार लाख

दलित, साढ़े तीन लाख मुस्लिम और तीन लाख सवर्ण मतदाता हैं। आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ सदर और मेहनगर विधान सभा क्षेत्र हैं। इन सभी सीटों पर सपा के विधायक हैं। सपा के सामने ये है बड़ी चुनौती वर्ष 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन था, जिसमें अखिलेश यादव को 6.21 लाख और भाजपा के दिनेश लाल यादव को 3.61 लाख और सुभासपा को 10 हजार से अधिक वोट मिले थे। स्थिति साफ है कि 2019 में यादव, मुस्लिम के साथ दलित वोट भी सपा के साथ था। इस बार बसपा ने शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मैदान में उतार कर मुस्लिम-दलित गठजोड़ पर दांव खेला है। ऐसे में सपा के सामने मुस्लिम और यादव वोट बैंक को अपने पाले में बनाए रखने और दलितों को जोड़ने की चुनौती है। यही वजह है कि सपा ने पहले दलित उम्मीदवार के रूप में सुशील आनंद को उतारने की तैयारी की थी, लेकिन उनका नाम दो विधान सभा क्षेत्र में होने से पर्चा खारिज होने की आशंका थी। वहीं, स्थानीय सपाइयों में सिर फुटौव्वल न हो, इससे बचने के लिए सैफई परिवार से धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारना पड़ा।

खेल की दुनिया में भी बज रहा वाराणसी का डंका, 10 ओलंपियन का काशी से रहा नाता

वाराणसी। पूर्वांचल में बनारस को खेलों की नर्सरी भी कहते हैं। विश्व ओलंपिक दिवस पर हम आपको काशी की समृद्ध खेल विरासत से रूबरू कराते हैं। वाराणसी जिले में आज ओलंपिक दिवस मनाया जा रहा है। सिगरा स्टेडियम में जिला ओलंपिक संघ की ओर से कई खेल कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है , जहां काशी के ओलंपियनों को भी याद किया जाएगा। जिला, प्रदेश, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनारसी खिलाड.ियों का जादू सर चढ़कर बोलता है। एथलेटिक्स, हॉकी, कुश्ती और तीरंदाजी में बनारस ने 10 ओलंपियन दिए हैं, अनंत राम भार्गव से शुरू हुआ यह सिलसिला आज भी जारी है। हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय ने टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक इस परंपरा को आगे बढ़ाया। धर्म कला और संस्कृति की नगरी काशी ने भी खेल की दुनिया को नायाब हीरे दिए हैं। खेल जगत में बनारस का डंका देश ही नहीं सात समंदर पार भी बजता है। पूर्वांचल में बनारस को खेलों की नर्सरी भी कहते हैं। विश्व ओलंपिक दिवस पर हम आपको काशी की समृद्ध खेल विरासत से रूबरू कराते हैं।1948 से शुरू हुआ ओलंपिक से बनारस का रिश्ता गायघाट के रहने वाले पहलवान अनंत राम भार्गव ने 1948

लंदन ओलंपिक में हिस्सा लिया था। चितईपुर के रहने वाले एथलीट गुलजारा सिंह ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में हिस्सा लिया। कोइरीपुर खुर्द के रहने वाले चिक्कन पांडेय (लक्ष्मीकांत पांडेय) ने 1956 के मेलबर्न ओलंपिक में हिस्सा लिया था। 1980 के मास्को ओलंपिक के खजूरी के हॉकी के उस्ताद मोहम्मद शाहिद, 1988 के सियोल ओलंपिक में हॉकी खिलाड़ी विवेक सिंह और 1996 के अटलांटा ओलंपिक में हॉकी खिलाड़ी राहुल सिंह ने हिस्सा लिया। दारानगर के रहने वाले संजीव सिंह ने 1988 के सियोल ओलंपिक में तीरंदाजी में हिस्सा लिया। सुसवाही के संजय राय ने 2000 के सिडनी ओलंपिक की लंबी कूद में प्रतिभाग किया था। 2012 के लंदन ओलंपिक में चोलापुर के निमा मुमेरी गांव के नरसिंह यादव काशी का मान बढ़ा चुके हैं। 2012 के लंदन ओलंपिक में चोलापुर के बबियाव के एथलीट राम सिंह ने मैराथन में हिस्सा लिया था। बीते 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम में ललित उपाध्याय और रामनगर के रहने वाले शिवपाल सिंह का चयन हुआ था। ओलंपियन राहुल सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से खेल और खिलाड.ियों को प्रोत्साहित किया है, उससे खिलाड.ियों में काफी उत्साह है। जिसका परिणाम लगातार देखने को मिल रहा है। भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य ओलंपियन ललित उपाध्याय ने कहा कि देश में खेल का माहौल पहले से काफी बदल गया। खिलाड.ियों को खेलो इंडिया, साई और खेल विभाग से मिलने वाली सुविधाओं और सम्मान से खिलाडियों उत्साह बढ़ा है।

बनारस में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश आपत्तिजनक पोस्टर समेत पांच लोग गिरफ्तार...........

वाराणसी। शहर में जगह-जगह आपत्तिजनक पोस्टर चिपका रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कब्जे से ठेला पर रखे भारी मात्रा में पोस्टर और अन्य सामान बरामद किया गया। वाराणसी के बेनिया कूड़ा खाना के पास आपत्तिजनक पोस्टर चस्पा करने के आरोप में चौक पुलिस ने बुधवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। कब्जे से ठेला पर पोस्टर और अन्य सामग्री बरामद किया। पुलिस के अनुसार आपत्तिजनक पोस्टर पर संतोष सिंह (विश्व वैदिक सनातन संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष) आदि का फोटो छपा हुआ था। जगह-जगह आपत्तिजनक पोस्टर चिपका कर सांप्रद्रायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया। चौक इंस्पेक्टर शिवकांत मिश्रा के अनुसार गिरफ्तार घेराबंदी करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कब्जे से ठेला पर रखे भारी मात्रा में पोस्टर और अन्य सामान बरामद किया गया। न्यायालय में पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। लेखपाल के घर पर उपद्रव और मारपीट मामले में मुकदमा रामनगर के भीटी में लेखपाल अरूण शर्मा के घर पर मंगलवार की देर शाम मनबढ़ों ने गाली गलौज और मारपीट की धमकी दी। आरोप है कि आठ से दस की संख्या में आए मनबढ़ों ने जमकर उपद्रव किया। लेखपाल की तहरीर के आधार पर पुलिस दो नामजद के खिलाफ उपद्रव, मारपीट समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया। रामनगर थाना अंतर्गत साहित्यनाका निवासी लेखपाल अरूण शर्मा के अनुसार वह शाम के समय घर पर मौजूद नहीं थे।

बेनियाबाग निवासी सोनू उर्फ विकास शाह, चितईपुर थाना अंतर्गत नेवादा निवासी संतोष कुमार सिंह और चेतगंज तेलियाना निवासी अमन सरोज, संतोष उर्फ सुक्खू और मोहन पासी बेनियाबाग के पास पोस्टर चस्पा करा रहे थे। सभी को भेजा गया जेल आपत्तिजनक पोस्टर चस्पा होने की सूचना चौकी प्रभारी पियरी प्रीतम तिवारी से मिलने के बाद इस बीच अशोक और रामबाबू आठ से दस साथियों के साथ घर पर आया और पुरानी रंजिश में गाली गलौज की। माता-पिता और बहनों के साथ दुर्व्यहार किया गया। आरोप है कि अशोक और रामबाबू ने उपद्रव करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी है। इंस्पेक्टर अश्वनी पांडेय के अनुसार दो नामजद के खिलाफ उपद्रव सहित मारपीट अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ड्राइवर खलासी शूटआउट का खुलासाः लूट की नीयत से की थी अंधाधुंध फायरिंग, जेल में बंद झुन्ना पंडित का शूटर समेत तीन गिरफ्तार

वाराणसी। के छोटा लालपुर में 14 जून की देर रात हुए ड्राइवर खलासी शूटआउट मामले का वाराणसी कमिशन्रेट पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लूट की नीयत से मालवाहक के चालक और खलासी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। घटना के तीन दिन बाद उपचार के दौरान घायल खलासी की मौत हो गई थी। वहीं चालक अस्पताल में योजना बनी थी। झुनन पंडित के शूटर अनुज झा ने अपने साथी यश और प्रमोद के साथ पहले रेकी की। वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों ने ड्राई रिहर्सल भी किया। 14 जून देर रात वारदात को अंजाम दिया। बाइक को यश सिंह चला रहा था और अनुज ने गोली चलाई थी। हालांकि मालवाहक वाहन चालक और खलासी के पास पैसे की डिलिवरी के बाद रात में ढाई बजे लालपुर आया। पेट्रोल पंप पर मालवाहक वाहन खड़ा करने के बाद चालक और खलासी मनीष अपने बाइक से घर जा रहे थे, उसी समय पीछे से ओवरटेक कर आए बाइक सवार दो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। बदमाशों ने बीच सड़क दौड़ाकर मनीष को पेट में गोली मारी। वहीं, सीने पर गोली लगते ही लालजी

भर्ती है। लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रकरण का मास्टरमाइंड जेल में निरुद्ध गैंगस्टर श्रीप्रकाश मिश्रा उर्फ झुनन पंडित और रवि पटेल है। पुलिस ने झुनन पंडित के एक शूटर अनुज झा निवासी मधुबनी बिहार समेत उसके दो साथियों यश सिंह और प्रमोद गुप्ता को गिरफ्तार किया है। रेस्टोरेंट में बनी थी वारदात की योजना वारदात में प्रयुक्त पिस्टल और एक बाइक भी बरामद की गई है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, एक कंपनी के कलेक्शन मनी को लूटने के इरादे से मालवाहक चालक और खलासी को गोली मारी गई थी। पांडेयपुर स्थित एक रेस्टोरेंट में इसकी नहीं थे। गिरफ्त में आए आरोपियों ने पूछताछ में घटना से संबंधित जानकारी दी। जिस रेस्टोरेंट में साजिश रची गई उसके संचालक दीपांकर पटेल, असलहा की सप्लाई करने वाले रोहित यादव और एक पंक्चर बनाने वाला अभिषेक पटेल उर्फ बच्चा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें दबिश दे रही हैं। प्रकरण में अबतक कुल पांच लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। सीसी फुटेज में अंधाधुंध फायरिंग करते दिखे थे बदमाश चौबेपुर थाना अंतर्गत रुस्तमपुर निवासी मनीष यादव आशिकी गुटखा फैक्ट्री में मालवाहक वाहन पर खलासी था। सोमवार की देर रात वह वाहन चालक सारनाथ थाना अंतर्गत नवापुर सराय निवासी लालजी पाल (45) के साथ आजमगढ़ से माल अचेत हो गया था। दोनों को पुलिस ने बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान शुक्रवार को मनीष की मौत हो गई। सीसी कैमरे की फुटेज में साफ दिखा कि बीच सड़क अंधाधुंध फायरिंग करते हुए बदमाश भाग निकले। मुख्तार अंसारी का गुर्गा है झुनन पंडित वाराणसी का गैंगस्टर श्रीप्रकाश मिश्रा उर्फ झुनन पंडित पांडेयपुर का रहने वाला है। झुनन पर हत्या, रंगदारी और हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर आरोपों में वाराणसी और आसपास के जिलों में डेढ़ दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार अपना गैंग संचालित करने के साथ ही झुनन मऊ सदर विधायक मुख्तार अंसारी के गिरोह से भी जुड़ा है।

एसएसबी में कैथ लैब का ताला नहीं खुला तो एमएस पर दर्ज कराएंगे मुकदमा

वाराणसी। एसएसबी में कैथ लैब का ताला नहीं खुला तो एमएस पर दर्ज कराएंगे मुकदमा , हृदय रोग विभाग के एचओडी ने दी चेतावनी आईएमएस बीएचयू स्थित के सर सुंदरलाल अस्पताल के हृदय रोग विभाग में कैथ लैब मशीन खराब होने के कारण एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी नहीं हो पा रही है। वहीं शताब्दी सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में बने नए कैथ लैब में ताला बंद है। जिसे लेकर अब विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओम शंकर ने मोर्चा खोल दिया है बुधवार को हृदय रोग विभाग में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रो. ओमशंकर ने बीएचयू अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक पर सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के कैथ लैब पर ताला बंद करने और मनमानी करने का आरोप लगाया। जल्द से जल्द कैथ लैब का ताला

खोलने को कहा। चेतावनी भी दी है कि अगर 24 घंटे के भीतर एमएस की ओर से सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में कैथ लैब में बंद ताले को नहीं खोला गया तो पद के दुरुपयोग का मुकदमा दर्ज कराएंगे। 10 दिन से अधिक समय से खराब है कैथ लैब की मशीन प्रो. ओम शंकर ने बताया कि बीते 10 दिन से अधिक समय से बीएचयू सर सुंदरलाल अस्पताल के कैथ लैब की मशीन खराब है। सूचना देने के बाद भी अब तक एमएस की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई। जहां तक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में बने कैथ लैब की बात है तो 24 मार्च को उद्घाटन के बाद से ही अस्पताल के एमएस की ओर से उस पर ताला मारा गया है। अब सर सुंदरलाल अस्पताल में बने कैथ लैब को खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है जबकि अस्पताल और सुपरस्पेशलिटी ब्लॉक में हृदय रोग विभाग का कैथ लैब है।

बालिका से किशोर ने किया दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

मडिहान। थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की दोपहर घर में अकेली बालिका को पाकर गांव के किशोर ने दुष्कर्म किया। बालिका की चीख सुनकर पहुंचे परिजनों ने किशोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज किया। मडिहान।

थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की दोपहर घर में अकेली बालिका को पाकर गांव के किशोर ने दुष्कर्म किया। बालिका की चीख सुनकर पहुंचे परिजनों ने किशोर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी किशोर के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज किया।

तिलक समारोह में असलहा लहराने का वीडियो वायरल

जिगना। थाना क्षेत्र के खैरा गांव में आयोजित तिलक समारोह में डीजे पर डांस के दौरान असलहा बुधवार को वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस जांच में जुटी। क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा,

लहराने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने मामले की जांच की। जांच में असलहा लहराने वाले की पहचान हो गई। पुलिस ने उसे थाने पर बुलाया है। कुछ माह पहले नगर के कटरा कोतवाली में विवाह में हर्ष फायरिंग के चलते एक युवक की मौत हो गई थी। जिसके बाद हर्ष फायरिंग करने वालों पर नजर रखी जा रही थी। शादियों में पुलिस जाकर नजर रखती थी, पर समय बीतने के बाद मामला ठंडा हो गया। शादियों और मांगलिक कार्यक्रमों में असलहा प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस की निगहबानी बंद हो गई। जिसका असर रहा कि बीते माह जिगना के खैरा गांव में एक तिलक समारोह में डीजे पर बच्चों के साथ डांस के दौरान असलहा लहराने का वीडियो वायरल हो गया। थानाध्यक्ष जिगना छानबीन की तो पता चला कि थाना क्षेत्र के खैरा गांव में छह मई को एक परिवार मे तिलकोत्सव कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति हाथ में असलहा लेकर नाच रहा था। जिसका विडियो बुधवार की सुबह वायरल हुआ। थानाध्यक्ष जिगना विजय कुमार सरोज ने बताया कि जिस व्यक्ति के हाथ में नाचते समय असलहा दिखाई दे रहा है। उसकी पहचान की गई हैं। वह बाहर गया है। उसे बुलवाया गया है। एएसपी नक्सल महेश सिंह अत्रि ने बताया कि खैरा गांव में विजय विश्वकर्मा का तिलक था। उसमें एक व्यक्ति के असलहा लहराने का वीडियो वायरल हुआ है। सीओ लालगंज को जांच सौंपी गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर महिला से छेड़खानी कर रहे युवक की पिटाई.......

जिगना। थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की देर रात घर में घुस कर विवाहिता से अश्लील हरकत करने पर परिजन व आसपास के लोगों ने युवक की पिटाई कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पीआरवी ने लोगों को समझाकर शांत कराते हुए युवक को छोड़वा कर बुधवार की सुबह दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया। बुधवार की सुबह पीडि़ति महिला ने थाने में तहरीर दी। महिला का आरोप है कि वह खाना खाने के बाद घर में सोई थी। पति बाहर सोया था। देर रात गांव का ही का एक युवक घर में घुस आया। अश्लील हरकत करने लगा। शोर मचाया तो परिजन व पड़ोसी पहुंचे। थाने में तहरीर देने पर युवक उसे और परिवार वालों को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थानाध्यक्ष विजय कुमार सरोज ने बताया कि जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्रह पोर्टल पर हुई शिकायत का असर...

शेरवां। मुख्यमंत्री पोर्टल पर तालाब पर हुए अतिक्रमण की शिकायत के बाद तहसील प्रशासन जागा। तहसीलदार चुनार के द्वारा गठित चार सदस्यीय लेखपाल टीम ने बुधवार को क्षेत्र के खड़ेहरा गांव स्थित शीतला माता मंदिर के पास स्थित तालाब की पैमाइश की। तालाब की पैमाइश के दौरान ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। गांव निवासी रवि शंकर सिंह ने 6 जून को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शीतला माता मंदिर के पास स्थित तालाब पर अतिक्रमण होने की शिकायत दर्ज कराई थी। तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी। कुछ लोगों पर तालाब पाटकर पशु बांधने एवं तालाब की भूमि पर शौचालय बनवाये जाने की शिकायत दर्ज कराकर तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी। मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायत पर तालाब के पैमाइश के लिए तहसीलदार चुनार नूपुर सिंह ने चार सदस्यीय राजस्व टीम का गठन किया था। बुधवार को दोपहर में पहुंची राजस्व टीम ने गांव के सरहद से तालाब के चारो तरफ सीमांकन किया। हल्का लेखपाल शीरिष सिंह ने बताया कि तालाब के सीमांकन की जांच कर रिपोर्ट तहसीलदार को सौंप दी जाएगी। राजस्व टीम में क्षेत्रीय लेखपाल श्यामसुंदर सिंह, राहुल कुमार एवं प्रकाश वर्मा सहित अन्य शामिल रहे।

किला से गिरकर युवती क मौत मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज

चुनार। चुनार किला से युवती की फिसलकर खाई में गिरने से हुई मौत मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। युवती के पिता की तहरीर पर बुधवार को युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी है।मंगलवार की दोपहर स्थानीय थाना क्षेत्र के रैपुरिया गांव निवासी विशाल साहनी (18) गांव की ही युवती नेहा साहनी (18) को लेकर किला घूमने गया था। दोनों डाक बंगले की ओर चले गए। इस दौरान दोनों खाई में गिर गए। फोन से युवक ने अपनी मां को स्वयं व नेहा के गिरकर घायल होने की जानकारी दी। परिजन किला में पहुंचे, दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने युवती को मृत घोषित कर दिया। युवक को गंभीर चोट आने के कारण ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। बुधवार को युवती के पिता ने आरोप लगाया कि युवक उसकी पुत्री को बहलाकर किला घूमाने ले गया। वहां उसे खाई के पास ले जाकर धक्का दे दिया। इससे उसकी मौत हो गयी। युवती के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। चुनार कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन ने बताया कि युवती के पिता रामसूरत की तहरीर पर विशाल साहनी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

डीआईजी ने पुलिसकर्मियों को प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

मिर्जापुर। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस), पीजी पोर्टल, मुख्यमंत्री, ऑनलाइन व हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने में भदोही को प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है। ऐसा करने और कई मामलों का खुलासा करने पर भदोही पुलिस को डीआईजी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा भदोही पुलिस को डाफी टोल प्लाजा पर काजू लदे ट्रक लूट मामले में भी प्रशस्ति पत्र मिला है। एक जनवरी 2022 की रात में डाफी टोल प्लाजा पर काजू लदे ट्रक के चालक ओमप्रकाश उर्फ संतोष की हत्या कर दी गई थी। लूट और हत्या का मुकदमा लंका थाना वाराणसी में दर्ज था। जिसका खुलासा भदोही की एसओजी, सर्विलांस और स्वाट टीम ने किया। टीम ने कंधिया फाटक धनापुर मार्ग पर थाना चौरी क्षेत्र से ट्रक बरामद कर आरोपी अमृत लाल यादव को गिरफ्तार किया। डीआईजी ने कहा कि अधिकारियों व कर्मचारियों के उत्साहवर्धन व भविष्य में अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। इसमें प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार सिंह, आरक्षी रमेश विश्वकर्मा, महिला आरक्षी जानकी सिंह, आरक्षी मनोज कुमार, महेंद्र कुमार यादव, सदानंद आईजीआरएस सेल जनपद भदोही व प्रभारी निरीक्षक, गगन राज सिंह, प्रभारी उप निरीक्षक विनोद कुमार दुबे (स्वाट), आरक्षी नरेंद्र सिंह, सर्वेश राय, नागेंद्र यादव आदि को सम्मानित किया गया।

गस्त कर लोगों से शांति बनाने की अपील

अदलहाट। क्षेत्राधिकारी चुनार रामानन्द राय ने बुधवार को शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अदलहाट पुलिस के साथ बाजार स्थित शर्मा रोड, बड़भुइली पुल सहित अन्य स्थानों पर पैदल गस्त कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया। क्षेत्राधिकारी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। क्षेत्राधिकारी चुनार ने बताया कि अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान थाना प्रभारी विजय कुमार चौरसिया, वरिष्ठ उपनिरीक्षक वंश नारायण यादव सहित पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

उद्योग स्थापना व योजनाओं की जानकारी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा

मिर्जापुर। अब नये उद्योग की स्थापना या ऋण संबंधी किसी भी जानकारी के लिए बेरोजगारों को जिला उद्योग केंद्र का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। सारथी एप के जरिए जिला उद्योग केंद्र से जुड़ी किसी भी योजनाओं से जुड़ी जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे। इसके लोगों को अपने मोबाइल में सारथी एप को डाउन लोड करना होगा। सारथी एप के जरिये नए उद्योगों की स्थापना, उद्योगों के बारे में किसी भी तरह की जानकारी, बाजार, विपणन व्यवस्था सहित विभिनन उत्पादों, उद्योग व सर्विस उत्पादों से संबंधित उचित मार्ग दर्शन एवं समस्त रोजगार परक योजनाओं के जानकारी के साथ ही ऋण के लिए बेरोजगार घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उद्यम सारथी एप को गूगल प्ले अथवा आईओएस प्लेटफार्म से अपने मोबाइल में डाउन लोड कर सकते हैं।

दुल्हे दुल्हन कि खुशीयों में लगा ग्रहण

खुशी का माहौल गम में हुआ तब्दील

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत आशीर्वाद वाटिका में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में मनीष मद्धेशिया पुत्र स्व0 राधेश्याम, निवासी शीतला मन्दिर के पास, कस्बा रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र द्वारा की गयी हर्ष फायरिंग में गोली लगने से एक व्यक्ति (आर्मी में हवलदार के पद पर कार्यरत) बाबूलाल यादव पुत्र दयाराम, निवासी महुंआरी, तेन्दु, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 40 वर्ष की मृत्यु हो गयी । जिसके सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वार थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-447/2022 धारा 304 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर घटना में संलिप्त अभियुक्त मनीष मद्धेशिया उपरोक्त

को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर शादी मे बने स्टेज के पीछे से आलाकत्ल 01 अदद पिस्टल .32 बोर मय 04 अदद जिन्दा कारतूस व 01 अदद फायर शुदा कारतूस बरामद किया गया । उक्त बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग मे धारा 25(9) आयुध संशोधन अधिनियम 2019 व धारा 27 आयुध अधिनियम की बढ़ोत्तरी की गयी । **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** 1.मनीष मद्धेशिया पुत्र स्व0 राधेश्याम मद्धेशिया, निवासी शीतला मन्दिर के पास, कस्बा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 28 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 1. एक अदद लाईसेंसी पिस्टल .32 बोर । 2. 04 अदद जिन्दा कारतूस व एक अदद फायरशुदा कारतूस **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1. प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पाण्डेय, थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 2. आरक्षी अजय कुमार मौर्य, थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र । 3. आरक्षी रमेश गोंड़, थाना राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र ।

दुष्कर्म करने वाले एक वांछित अभियुक्त हुई गिरफ्तारी......

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 22.06.2022 को थाना कोन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग अन्तर्गत धारा 376, 354, 313, 504, 506 120(बी) भादवि से सम्बंधित वांछित अभियुक्त फिरोज अहमद पुत्र रफी अहमद, निवासी ग्राम देवाटन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 34 वर्ष को देवाटन चौराहे के पास से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त-** 1- फिरोज अहमद पुत्र रफी अहमद निवासी ग्राम देवाटन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 34 वर्ष । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण** 1- प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार यादव, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 2- हे0का0 अजमल सुल्तान, थाना कोन, जनपद सोनभद्र । 3- हे0का0 सन्तोष यादव, थाना कोन, जनपद सोनभद्र 4- का0 कन्हैया जी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र ।

तीन किलो 300सौ ग्राम गाजे के साथ दो अभियुक्तों कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । थाना ओबरा पुलिस द्वारा भलुआ टोला रेलवे क्रासिगं के पास से 02 नफर अभियुक्तगण क्रमशः 1. बच्ची चौधरी पुत्र सोनू चौधरी निवासी चूडी गली ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष 2. देव कुमार पासवान पुत्र अशोक पासवान निवासी ग्राम मूडी सेमर, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 03 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा

उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बंध में थाना ओबरा पर मु0अ0सं0- 111/2022 व मु0अ0सं0-112/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्तगण-** 1- बच्ची चौधरी पुत्र सोनू चौधरी निवासी चूडी गली ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष । 2- देव कुमार पासवान पुत्र अशोक पासवान निवासी ग्राम मूडी सेमर, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 23 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 1-कुल 03 किलो 300 ग्राम गांजा ।

गाजा व हिरोइन संग तीन अभियुक्त गिरफ्तार.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

ओबरा (सोनभद्र)। ओबरा पुलिस जहां नशा तश्करो पर लगातार शिकंजा कस रही हैं ,वही अब नशा का सेवन करने वालो को भी रडार पर लेगी। स्थानीय पुलिस ने बुधवार को तीन लोगों को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार थाना पासवान निवासी मुड़ी सेमर थाना विन्ढमगंज व जुबेर अहमद उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र मो0 रफीक निवासी निवासी कुरैश नगर भलुआ टोला थाना कोतवाली ओबरा बताया। मामले में थाना प्रभारी मिथिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि बच्चा चौधरी एवं देव कुमार पासवान के पास से तीन किलो 300 ग्राम अवैध गांजा व

ओबरा प्रभारी मिथिलेश कुमार मिश्रा व कस्बा चौकी प्रभारी अमित कुमार त्रिपाठी मय हमराहीयो संग नगर में गस्त कर रहे थे तभी मुखबिर के द्वारा सुचना मिली कि तीन लोग भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर भलुआ टोला में आने वाले हैं । सुचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। थोड़ी ही देर में तीन लोग संदिग्ध हालात में आते दिखाई पड़ें। पुलिस को देखकर उक्त तीनों ब्यक्ती तेजी से भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर उन तीनो को धर दबोचा। तीनों के तलाशी ली गई तो उनके पास झोले में रखा तीन किलो 300 ग्राम नाजायज गाजा व12 ग्राम हिरोइन बरामद किया गया। पकड़ें गये आरोपी युवकों ने अपना नाम बच्ची चौधरी उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र सोनू चौधरी निवासी चुड़ीगली कोतवाली ओबरा , देव कुमार पासवान उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्र अशोक जुबेर अहमद के पास से 12 ग्राम नाजायज हिरोइन बरामद किया गया है। पुलिस ने उक्त तीनों आरोपीयों को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर चलान कर दिया गया है। थाना प्रभारी श्री मिश्रा ने बताया कि एझ् के दिशानिर्देशन में नशें के खिलाफ यह बिषेश अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत नशा बेचने वालो के साथ साथ नशा करने वालो की खोज खबर लेकर उनके साथ भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी।नशे का चैन तोड़ने के लिए जहा नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। वहीं नशें का सेवन करने वालो के साथ भी कानूनी कार्रवाई की जायेगी। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टिम में थाना प्रभारी , कस्बा चौकी प्रभारी के अलावा हेड कांस्टेबल लल्लन यादव, कांस्टेबल राम सिंह,व कांस्टेबल संदीप कुमार शामिल रहे।

दुष्कर्म करने वाले एवं आई0टी एक्ट सम्बन्ध में फरार व्यक्ति के खिलाफ 82सीआरपीसी कि कार्रवाई कि गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 180/2022 थाना ज्ञानपुर, जनपद भदोही के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई की गयी । अवगत कराना है कि थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत अभियोग में उद्घोषणा की गयी तथा डुगडुगी बजवा कर अभियुक्त उपरोक्त के निवास स्थान ग्राम बड़वापुर, थाना ज्ञानपुर, जनपद भदोही में स्थित मकान, सार्वजनिक

स्थान व पंचायत भवन पर नोटिस चस्पा कराकर मुनादी करायी गयी । यदि फरार अभियुक्त समयावधि के भीतर माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जायेगी । इस मौके पर निरीक्षक अपराध धारा 328, 376, 323, 506, 497, 506, 497, 316, 363, 366 भादवि व 67 आईटी एक्ट से सम्बंधित फरार अभियुक्त दीपक कुमार यादव पुत्र शेषधर यादव निवासी ग्राम बड़वापुर, उपरोक्त अभियुक्त फरार चल रहा हैं तथा अभी तक माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे हैं जिसपर माननीय न्यायालय के आदेश पर धारा 82 सीआरपीसी के तहत श्री कृष्णानन्द राय, थाना रॉबर्ट्सगंज मय पुलिस बल तथा उपनिरीक्षक श्यामजीत यादव मय हमराह थाना ज्ञानपुर, जनपद भदोही मौजूद रहे ।

सोनभद्र के रास्ते पूर्वांचल में मानसून ने दी दस्तक, वाराणसी में झमाझम बारिश से सुहाना हुआ मौसम

सोनभद्र । गर्मी और उमस से परेशान लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। दक्षिण-पश्चिमी मानसून ने सोनभद्र के रास्ते पूर्वांचल में प्रवेश कर लिया है। कई दिनों के इंतजार के बाद गुरुवार को मानसून ने पूर्वांचल में दस्तक दे दी है। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज सहित आसपास के इलाकों में दोपहर एक बजे पौने घंटे तक तेज बारिश हुई। वहीं दोपहर बाद करीब तीन बजे वाराणसी में भी झमाझम बारिश हुई। गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बारिश ने बड़ी राहत पहुंचाई है। खरीफ की खेती के लिए भी बारिश काफी लाभदायक मानी जा रही है। वाराणसी में बारिश के कारण शहरी क्षेत्र में कई जगह जलजमाव जैसी स्थिति हो गई। अब जल्द ही मानसून के पूरे पूर्वांचल में सक्रिय

होने के आसार हैं। दक्षिण तट से चलकर मानसून पूर्वांचल में सोनभद्र के रास्ते ही प्रवेश करता है। इसकी संभावित तिथि 20 जून मानी जाती है। पिछले 3-4 दिनों से मौसम के रुख में बदलाव आया था। बादलों के उमड़-घुमड़ के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में बूंदाबांदी भी हो रही थी। बुधवार को मध्य प्रदेश की सीमा से लगे अनपरा-शक्तिनगर के कुछ इलाकों में बारिश भी हुई थी।सोनभद्र जिले मेंगुरुवार सुबह से ही मौसम बदलने लगा था। आसमान में बादलों के साथ वातावरण में उमस के कारण लोग बारिश का अनुमान लगा रहे थे। दोपहर बाद अचानक ठंडी हवा के झोंको के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। दोपहर करीब एक बजे से शुरू हुई बारिश करीब पौने घंटे तक जारी रही। बच्चों ने बारिश का लुत्फ उठाया तो गर्मी से भी राहत मिली। तापमान करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

पहले अभ्यास मैच में लिसेस्टशायर के लिए खेलेंगे चार भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा से सामने होंगे बुमराह......

नई दिल्ली । भारत के चार खिलाड़ी पहले अभ्यास मैच में लिसेस्टशायर की टीम के लिए खेलेंगे। इनमें चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल है। इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से शुरू हो रहे टेस्ट मैच के लिए पूरी टीम इंडिया ने तैयारी शुरू कर दी है। रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर पूरी टीम इंग्लैंड पहुंच गई है और गुरुवार से लिसेस्टशायर के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। इस मैच में भारत के चार खिलाड़ी लिसेस्टशायर की टीम में के लिए खेलते दिखेंगे। भारत के चेतेश्वर पुजारा, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और प्रसिद्ध कृष्णा पहले अभ्यास मैच में अपनी ही टीम के खिलाफ खेलेंगे। पुजारा काउंटी क्रिकेट का हिस्सा रह चुके हैं और हाल ही में ससेक्स के लिए खेले थे। काउंटी के मौजूदा सीजन में पुजारा ने कमाल की बल्लेबाजी की थी। इसके बाद भारतीय टीम में उनकी वापसी तय हो गई थी। टीम का एलान हुआ तो एक बार फिर पुजारा टेस्ट टीम में थे, जबकि श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में उन्हें मौका नहीं दिया गया था। भारत के चार खिलाड.ियों को लिसेस्टशायर की टीम में इस वजह से शामिल किया गया है ताकि सभी भारतीय खिलडियों को अभ्यास करने का पूरा मौका मिल सके। अगर टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी एक ही टीम से खेलते तो कुछ को बल्लेबाजी या गेंदबाजी कम मिलती। इस स्थिति से बचने के लिए भारत के चार खिलडियों को विपक्षी टीम में डाल दिया गया है। इससे सभी खिलाड.ियों के पास अभ्यास का भरपूर मौका रहेगा। जिन चार खिलडियों को लिसेस्टशायर की टीम में शामिल किया गया है उनमें प्रसिद्ध कृष्णा के मुख्य मैच में खेलने पर संदेह है। उनके अलावा बाकी तीनों खिलाड.ियों का एक जुलाई से पहला टेस्ट मैच खेलना लगभग तय है। लीसेस्टरशायर टीमः सैमुअल इवांस (कप्तान), रेहान अहमद, सैमुअल बेट्स (विकेटकीपर), नाथन बाउली, विल डेविस, जॉय एविसन, लुई किम्बर, एबिडीन सकांडे, रोमन वॉकर, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा। भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, श्रीकर भारत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शामी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज जहीर अब्बास गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती, कोरोना की चपेट में आए थ

नई दिल्ली । जहीर ने अक्तूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। यह एक टेस्ट मैच था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जहीर अब्बास ने 78 टेस्ट में 44.8 की औसत से 5062 रन बनाए। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जहीर अब्बास गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराए गए हैं। वह कोरोना से पीड.ित थे। इसके बाद उनकी तबीयत और खराब हो गई। जियो न्यूज के अनुसार 74 साल के जहीर अब्बास को पैडिंगटन के सेंट मैरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, तीन दिन बाद हालत खराब होने पर उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया।जहीर पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज जहीर अब्बास पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। दर्द की शिकायत के बाद लंदन में जब उनकी जांच हुई तो निमोनिया के लक्षण मिले थे। जियो न्यूज के मुताबिक, जहीर अब्बास फिलहाल डायलिसिस पर हैं और डॉक्टर्स ने उन्हें लोगों से नहीं मिलने की सलाह दी है। 1969 में किया था अंतरराष्ट्रीय डेब्यू जहीर ने अक्तूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। यह एक टेस्ट मैच था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जहीर अब्बास ने 78 टेस्ट में 44.8 की औसत से 5062 रन बनाए। इसमें 12 शतक शामिल हैं। इसमें से चार दोहरे शतक भी हैं। इसके अलावा जहीर अब्बास के नाम 20 अर्धशतक भी हैं। 1974 में वनडे में किया था डेब्यू जहीर ने वनडे में डेब्यू इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त 1974 में ट्रेंट ब्रिज में किया था। पाकिस्तान के लिए 62 वनडे में उन्होंने 47.63 की औसत से 2572 रन बनाए। इसमें सात शतक और 13 अर्धशतक शामिल है। इसके अलावा टेस्ट में जहीर के नाम तीन विकेट और वनडे में जहीर के नाम सात विकेट हैं। जहीर ने अपना आखिरी टेस्ट अक्तूबर 1985 में और आखिरी वनडे नवंबर 1985 में खेला था। मैच रेफरी भी रह चुके जहीर अब्बास अपनी फर्स्ट क्लास करियर में जहीर ने 459 मैचों में 34,843 रन बनाए। इसमें 108 शतक और 158 अर्धशतक शामिल है। क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद भी जहीर ने क्रिकेट में काफी योगदान दिया। उन्होंने बतौर मैच रेफरी काम किया। एक टेस्ट और तीन वनडे में वह मैच रेफरी रहे। 2020 में जहीर अब्बास को जैक कैलिस और लिसा स्थालेकर के साथ आईसीसी हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था।भारतीय मूल की रीता से की थी शादी जहीर अब्बास अपने खेल के दिनों में पाकिस्तान के बेहतरीन खिलाड.ियों में से एक थे। उन्होंने 1980 के दशक में ग्लूस्टरशायर से एक काउंटी अनुबंध भी हासिल किया था। जब वे टूर्नामेंट में खेलने के लिए यूनाइटेड किंगडम में थे, तब उनकी मुलाकात रीता लूथरा से हुई, जो उसी देश में इंटीरियर डिजाइनिंग की पढ़ाई कर रही थीं। दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ गए और फिर 1988 में शादी कर ली। पाकिस्तानी अखबार द नेशन के मुताबिक, दंपति के परिवारों ने ज्यादा विरोध नहीं किया और साथ ही अब्बास के पिता रीता के पिता के दोस्त थे। बाद में रीता ने अपना धर्म बदल लिया और उन्होंने अपना नाम बदलकर समीना अब्बास कर लिया। जहीर अब्बास और रीता अब कराची में रह रहे हैं।

जेम्स एंडरसन चोटिल, जैमी ओवर्टन न्यूजीलैंड के खिलाफ करेंगे पदार्पण

नई दिल्ली । जैमी ओवर्टन इंग्लैंड की ओर से न्यूजीलैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में पदार्पण करेंगे। उन्हें चोट की वजह से बाहर हुए तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की जगह टीम में शामिल किया गया है। जैमी ओवर्टन इंग्लैंड की ओर से न्यूजीलैंड के खिलाफ बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में पदार्पण करेंगे। उन्हें चोट की वजह से बाहर हुए तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की जगह टीम में शामिल किया गया है। ओवर्टन के जुड़वा भाई क्रेग ओवर्टन पहले से ही टीम में शामिल थे। क्रेग ओवर्टन को एंडरसन की जगह टीम में लिया जा सकता था लेकिन जैमी को मौका मिल गया। इंग्लैंड सीरीज में 2-0 से आगे है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि एंडरसन के टखने में चोट थी। न्यूजीलैंड अभी अंतिम एकादश का एलान नहीं किया है।

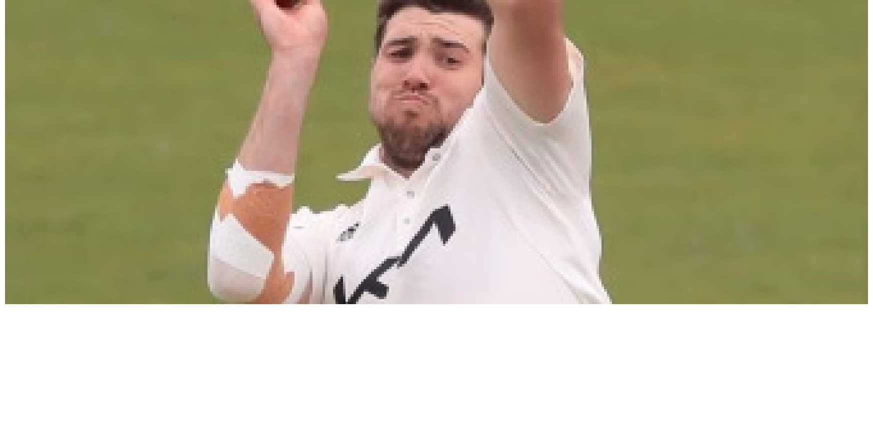

श्रीलंका-भारत के बीच टी20 सीरीज के प्रसारण में किसी चैनल की रुचि नहीं, कप्तान हरमनप्रीत हुई हैरान......

नई दिल्ली । भारत और श्रीलंका की महिला टीम के बीच तीन टी20 मैच की सीरीज गुरुवार से शुरू हो रही है। इस सीरीज के प्रसारण में किसी भी ब्रॉडकास्टर ने रुचि नहीं दिखाई है। इस वजह से पहली टी20 मैच का प्रसारण श्रीलंका क्रिकेट के यूट्यूब चैनल में करने का फैसला किया गया है। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को अभी भी उम्मीद है कि पहले मैच के बाद कोई न कोई चैनल इस सीरीज के बाकी मैचों के प्रसारण में रुचि दिखाएगा और बाकी मैचों का प्रसारण किसी चैनल पर होगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है। मैच से पहले मीडिया से बातचीत को दौरान हरमनप्रीत ने कहा ठसीरीज के प्रसारण के बारे में मैंने बातें सुनी है। लेकिन बोर्ड की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। मुझे लगता है कि इसे लेकर अंतिम समय तक जरूर कुछ किया जाएगा। श्रीलंका के लिए अहम हैं क्रिकेट सीरीज आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के लिए वनडे और टी20 सीरीज अहम हैं। क्रिकेट सीरीज की मेजबानी करके श्रीलंका फिर से अपने देश में विदेशी पर्यटकों का आकर्षित करना चाहता है और अपनी अर्थव्यवस्था पटरी पर लाना चाहता है। ऐसे में क्रिकेट सीरीज श्रीलंका के लिए अहम हैं और इनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने की कोशिश जारी है। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम भी श्रीलंका के दौरे पर है। इसके जरिए यहां विदेशी पर्यटक आ रहे हैं और श्रीलंकाई लोगों ने वहां का दौरा करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुक्रिया भा कहा है। मिताली के बिना खेलेगी भारतीय टीम टीम इंडिया इस सीरीज में मिताली राज के बिना खेलेगी। मिताली पिछले दो दशकों से भारतीय क्रिकेट की सेवा कर रहीं थी। वो हमेशा ही भारत की महिला टीम का अभिन्न हिस्सा रहीं और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। मिताली के संन्यास के बाद स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया जैसी खिलाडियों पर जिम्मेदारी के साथ रन बनाने का दारोमदार होगा। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमाह रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), सब्भिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष (विकेटकीपर), पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, राधा यादव, सिमरन बहादुर।

सारा तेंदुलकर ने कराया फोटोशूट, तस्वीरों में देखें उनका ग्लैमरस अंदाज

नई दिल्ली ।सारा ने हाल ही में मॉडलिंग में डेब्यू किया था। वह सोशल मीडिया पर लगातार फोटोज डालती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एकबार फिर फोटोशूट कराया है। इसमें उन्होंने उजले रंग का ड्रेस पहना है।भारत के पूर्व महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने ग्लैमरस फोटो से लगातार सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। भले ही वह सुर्खियों से दूर रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर सारा का बहुत बड़ा फैन बेस है। यहां तक कि उन पर समर्पित कई फैन पेज भी हैं।सारा ने हाल ही में मॉडलिंग में डेब्यू किया था। वह सोशल मीडिया पर लगातार फोटोज डालती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एकबार फिर फोटोशूट कराया है। इसमें उन्होंने उजले रंग का ड्रेस पहना है। इन फोटोज को सारा ने स्टेटस के तौर पर लगाया है। एक फोटो पर सारा ने लिखा- हंसता हुआ मंगलवार (स्मायली ट्यूसडे)। इसके अलावा सारा ने एक वीडियो भी स्टेटस मं लगाया है। इसमें वह सोशल मीडिया ट्रेंड फॉलो करती दिख रही हैं। इस वीडियो के बैकग्राउंड में पाकिस्तानी सिंगर अली जफर का गाना झूम बजता हुआ सुनाई दे रहा है।वहीं, सारा फोटोशूट करा रही हैं। इसके कैप्शन में सारा ने लिखा- बिहाइंड द सीन्स यानी पर्दे के पीछे। सारा इन तस्वीरों में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। सारा ने इसके साथ ही हेयर ड्रेसिंग का स्टेटस भी लगाया है। साथ ही फल का भी स्टेटस लगाया है।सारा को घूमना काफी पसंद है। वो दुनिया भर में घूमती रहती हैं। उन्होंने फ्रांस, इंग्लैंड, इंडोनेशिया, दुबई सहित कई देशों के चक्कर लगाए हैं। सारा ने अपनी पढ़ाई भी लंदन से की है। फिलहाल वह मुंबई में रह रही हैं।सारा आईपीएल के कई मैचों के दौरान भाई अर्जुन तेंदुलकर और मुंबई इंडियंस को सपोर्ट करने स्टेडियम में पहुंची थीं। उन्हें भी उम्मीद थी कि उनका भाई डेब्यू करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।सारा हाल ही में पारंपिक अंदाज में दिखाई दी थीं। उन्होंने मराठी साड़ी पहनी थी और पारंपरिक तरीके से बिंदी और गहने पहनकर तैयार हुई थीं। सचिन का परिवार एक रिश्तेदार की शादी में शामिल हुआ था। इस शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई, जिनमें सारा बेहद खूबसूरत लग रही थीं।सारा तेंदुलकर इस शादी में कलश लेकर किसी रस्म में भी शामिल हुई थी।

भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान रुमेली ने लिया संन्यास

नई दिल्ली । भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान रुमेली धर ने बुधवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। दाएं हाथ की बल्लेबाज और तेज गेंदबाज ने इंस्टाग्राम पर फैसले की घोषणा की।भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान रुमेली धर ने बुधवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। दाएं हाथ की बल्लेबाज और तेज गेंदबाज ने इंस्टाग्राम पर फैसले की घोषणा की। रुमेली ने चार महिला टेस्ट में एक अर्धशतक की मदद से 236 रन बनाए। नई दिल्ली में 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण करने वाली 38 साल की धर ने आठ टेस्ट विकेट चटकाए। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। वहीं 78 वनडे मुकाबलों में 961 रन बनाने के अलावा 63 विकेट झटके। उन्होंने 2003 में इंग्लैंड के खिलाफ लिंकन में पदार्पण करने के बाद छह अर्धशतक जड़े। अंतिम वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच 2012 में खेला था। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने 18 टी-20 मैच भी खेले, जिसमें 131 रन बनाने के अलावा 13 विकेट भी चटकाए। उन्होंने 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया था। 2018 में 34 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी-20 टीम में वापसी की और उसी साल ब्रेबोर्न स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के खिलाफ अपना अंतिम टी-20 मैच खेला। वह 2005 में दक्षिण अफ्रीका में महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम की सदस्य भी थीं। भारतीय ऑलराउंडर बंगाल के अलावा रेलवे, एयर इंडिया, दिल्ली और राजस्थान की ओर से भी खेलीं। पोस्ट में लिखा पश्चिम बंगाल के श्यामनगर से शुरू हुआ क्रिकेक का मेरा 23 साल का सफर अब खत्म हो रहा है। मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करती हूं। यात्रा काफी लंबी रही जिसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिले। शीर्ष लम्हा भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व और अगुवाई करना रहा जो 2005 में विश्व कप फाइनल में पहुंची।

ईशान किशन भारत के नंबर-1 बल्लेबाज, दिनेश कार्तिक ने लगाई बड़ी छलांग, देखें टॉप-10 की लिस्ट

नई दिल्ली । ईशान टी20 में भारत के नंबर एक बल्लेबाज हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। उन्हें इस सीरीज के बाद एक स्थान का फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा जारी टी20 रैंकिंग में भारत के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को जबरदस्त फायदा हुआ है। कार्तिक ने 108 स्थानों की छलांग लगाई है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाप चौथे मुकाबले में शानदार अर्धशतक लगाया था। यह उनके 16 साल के टी20 करियर का पहला अर्धशतक था। कार्तिक ने टॉप-100 में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने 87वां स्थान हासिल कर लिया है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा 206 रन बनाने वाले ईशान किशन टॉप-10 में इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं। ईशान टी20 में भारत के नंबर एक बल्लेबाज हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। उन्हें इस सीरीज के बाद एक स्थान का फायदा हुआ है। आईसीसी टी20 रैंकिंग में किशन छठे स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में ईशान किशन के बाद भारतीय खिलाडियों की बात करें तो केएल राहुल 15वें, रोहित शर्मा 18वें, श्रेयस अय्यर 19वें, विराट कोहली 21वें, सूर्यकुमार यादव 38वें, ऋषभ पंत 65वें और दिनेश कार्तिक 87वें स्थान पर हैं। वहीं, शिखर धवन 97वें पायदान पर काबिज हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पहले शीर्ष स्थान पर हैं।गेंदबाजों में युजवेंद्र चहल को फायदा हुआ। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में छह विकेट लेने के बाद उन्हें तीन स्थानों का फायदा हुआ है। चहल अब 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड पहले स्थान पर काबिज हैं। भारत का कोई भी गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। चहल से आगे सिर्फ भुवनेश्वर कुमार (14वां स्थान) है भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा टेस्ट में नंबर एक ऑलराउंडर बने हुए हैं। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन दूसरे स्थान पर हैं। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली टेस्ट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर कायम हैं। वहीं, ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस शीर्ष पर हैं।

राशिफल

मेष-:अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है. ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें।

वृष-:आज कोई अच्छी जानकारी मिलने वाली है. आज आपको मिलने वाले अवसरों के लिए खुद को तैयार करें। आपकी महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर होंगी।

मिथुन-:अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम करें. खर्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आय में वृद्धि से संतुलन बनेगा।

कर्क-:आज का दिन व्यस्त रहेगा। बेहतर होगा कि अपने प्रोजेक्ट का काम समय पर पूरा कर लें। जीवनसाथी के साथ आज आपका समय शांतिपूर्ण रहने वाला है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा।

सिंह-:मित्र के साथ गलतफहमी अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है, किसी भी निणन्य पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण से जांच लें. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें।

कन्या-:आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा जिससे आप सफलता की ओर तेजी से बढ़ेंगे। ऐसी सभी चीजों से दूर रहें जो आपकी प्रगति में बाधक हैं।

तुला-:आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है. आप जिन लोगों के साथ रहते हैं, वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी किया हो। आपके काम में रुकावट आ सकती है।

वृश्चिक-:आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है. आज मन को व्यर्थ के विचारों में न भटकने दें। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके घर से शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु-:उदास और उदास न हों. आपके लिए आकर्षक निवेश योजनाओं के बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें, कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। दोस्त और परिवार आपको प्यार और सहयोग देंगे।

मकर-:आज आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी और दुखी कर सकता है. दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ-:धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे. यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मीन-:आज का दिन यादगार रहने वाला है. एक समूह गतिविधि का नेतृत्व करेंगे। परिवार से जुड़ी परेशानियां आज खत्म होंगी। आप भी दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र का सियासी संकटः क्या ठाकरे परिवार की छाया से मुक्त होगी शिवसेना

दूसरे दलों के लिए ख़तरे की घंटी राजनीतिक टीकाकार इस बात पर हैरान हैं कि शिवसेना में अब तक की सबसे बड़ी बगावत हुई है लेकिन शिवसेना कार्यकर्ता खामोश हैं। शिवसैनिकों का ऐसा स्वभाव कभी नहीं देखा गया, जैसा इस बार दो दिन से देखा जा रहा है। आम शिवसैनिक सड़क पर आकर एकनाथ शिंदे का विरोध करने की बजाए टीवी पर राजनीतिक घटनाक्रम देख रहे हैं। शिवसैनिकों का यह रवैया लोगों की समझ से परे है। हिंदी का लोक कबीर में बसता है। तुलसी और कबीर भारतीय जनमानस के भीतर धड़क रहे ऐसे जनकवि हैं जिनका कहा दिग्गज के हिस्से भी आया है और रंक के भी। इन दिनों महाराष्ट्र का सियासी संकट कबीर के कहे को जतन से रखने और समझने की ही दुहाई दे रहा है। इन दिनों महाराष्ट्र के सबसे बड़े राजनीतिक चेहरे शिवसेना के अध्यक्ष, राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे की नियति कुछ ऐसी ही बन गई है। सियासी दुविधा में ना उन्हें माया मिल पाई है ना राम। ना हिंदुत्व साथ रहा ना धर्मनिरपेक्षता। हालात यह हैं कि कभी भारतीय जनता पार्टी को नीचा दिखाने के लिए शिवसेना का सेक्युलर शिवसेना बनाने की उनकी रणनीति का घातक परिणाम दिख रहा है। उनकी सरकार तो खतरे में है ही, अपने पिता हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे की विरासत को भी वह बचा पाएंगे इसमें भारी संदेह है। उन्होंने अपने विधायक तो गंवाए ही हैं, अपने समर्पित कार्यकर्ता भी गंवा रहे हैं। राजनीतिक टीकाकार इस बात पर हैरान हैं कि शिवसेना में अब तक की सबसे बड़ी बगावत हुई है लेकिन शिवसेना कार्यकर्ता खामोश हैं। शिवसैनिकों का ऐसा स्वभाव कभी नहीं देखा गया, जैसा इस बार दो दिन से देखा जा रहा है। आम शिवसैनिक सड़क पर आकर एकनाथ शिंदे का विरोध करने की बजाए टीवी पर राजनीतिक घटनाक्रम देख रहे हैं। शिवसैनिकों का यह रवैया लोगों की समझ से परे है।याद करिए, वर्ष 1991 में जब छगन भुजबल ने बाल ठाकरे के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था और कांग्रेस में जाने का फैसला लिया था, तब शिवसैनिकों ने उनके आवास पर हमला बोल दिया था। भुजबल के घर को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया था और उन पर हमला भी कर दिया था। इसी तरह 2005 में जब नारायण राणे ने बग़ावत की तो शिवसेना कार्यकर्ता उनके खिलाफ भी सड़क पर आ गए थे यहां तक कि शक्तिशाली नेता कहे जाने वाले राज ठाकरे के जब बाल ठाकरे से नाराज होकर पार्टी छोड़ने की ख़बर आई तो शिवसैनिकों ने उनके खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया था। लिहाजा, राज को भूमिगत होने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन एकनाथ शिंदे के खिलाफ शिवसेना नेता तो दूर आम शिवसेना कार्यकर्ता भी कोई बयान नहीं दे रहा है और न कोई आंदोलन हो रहा है। दरअसल, कहा जा रहा है कि उद्धव के मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवसेना की कोंकण लॉबी ने ठाकरे परिवार के चारों ओर घेरा बना दिया। शिवसेना का कोई नेता उनसे मिल ही नहीं पाता था। यहां तक कि एकनाथ शिंदे भी दरकिनार कर दिए गए थे।बहरहाल, कार्यकर्ताओं का सड़क पर न उतरना एक अगर संकेत की ओर इशारा कर रहा है कि उद्धव ठाकरे का 2019 विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद तीन दशक की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़कर शरद पवार और कांग्रेस के साथ जाना शिवसैनिकों को रास नहीं आया। उससे भी बड़ी बात बतौर मुख्यमंत्री ढाई साल के कार्यकाल में उद्धव ने जो कुछ किया उससे शिवसेना के कार्यकर्ता खुश नहीं थे। कहा जाता है कि उद्धव ठाकरे मंत्रालय जाते ही नहीं थे और सत्ता का केंद्र रहने वाला वर्षा बंगला उनके कार्यकाल में सूना रहता था। कुल मिलाकर उद्धव ठाकरे की उदासीनता से शिवसेना कार्यकर्ताओं भी उदासीन हो गए। उन्हें लगने लगा था कि बालासाहेब ने जिस पौधे को सींच कर वट वृक्ष बनाया था, उद्ध ठाकरे उसे खौलता पानी दे रहे हैं। इसके बाद नेताओं-कार्यकर्ताओं का उद्धव-आदित्य से मोहभंग होने लगा। शिवसेना में बगावत के स्वर उभरते रहे और उद्धव को भनक तक नहीं लगी।वस्तुतः महाराष्ट्र में 1987 में शिवसेना-भाजपा भगवा गठबंधन में शिवसेना हमेशा बड़े भाई की भूमिका में रही, लेकिन 2014 में भाजपा से चुनावी तालमेल न होने से उसके विधायकों की संख्या कम हो गई।

क्षमता निर्माण का समय : हर घंटे एक भारतीय नागरिक ने बेरोजगारी, गरीबी या दिवालियेपन के कारण खुदकुशी की

2020 में उत्तर प्रदेश में ऐसे कर्मचारियों की संख्या नौ लाख थी। इस व्यवस्था के तहत पांच साल की अवधि के बाद नियमितीकरण की भी बात कही गई। अलबत्ता इसके लिए एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना लाजिमी होगा। जो इस प्रक्रिया में पास नहीं होंगे, उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। वर्ष 2019 में हर घंटे एक भारतीय नागरिक ने बेरोजगारी, गरीबी या दिवालियेपन के कारण खुदकुशी की। वर्ष 2018 से 2020 के बीच करीब 25 हजार भारतीय बेरोजगारी या कर्ज में डूबे होने के कारण आत्महत्या के लिए मजबूर हुए। जो लोग अब भी बेरोजगार हैं, उनके लिए विरोध प्रदर्शन स्वाभाविक नियति है। एक संविदाकर्मी के लिए सम्मान से राष्ट्र सेवा करना, उसके बुनियादी हक और सरोकार से जुड़ा है। इसकी अवहेलना की स्थिति में हाल में हमने अगिन्पथ योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को उबलते देखा है। मई, 2022 में हरियाणा में 2,212 संविदा स्वास्थ्य कमिन्यों की सेवाएं एक झटके में समाप्त हो गईं। जो लोग एक झटके में सड़क पर आ गए, उनमें नर्स, सफाईकर्मी, सुरक्षा गार्ड और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हैं। इन्हें कोविड महामारी के दौरान काम पर रखा गया था, लेकिन बाद में जरूरत खत्म होने पर उन्हें हटा दिया गया। 'इस्तेमाल करो और फेंको' का यह क्लासिक उदाहरण है। दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और राम मनोहर लोहिया अस्पताल सरीखे विभिन्न चिकित्सा कॉलेजों/संस्थानों के सैकड़ों नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, लैब तकनीशियनों आदि ने भी रातोंरात अपने रोजगार अनुबंधों के खत्म होने का दंश झेला है। थोड़े समय के लिए लोगों को काम पर रखना और उन्हें हटाना हमारी कार्य

संस्कृति का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसे बाहर से आयात किया गया है। इसके खिलाफ असम में 8,300 पंचायतों और ग्रामीण विकास संविदाकमिन्यों ने फरवरी, 2022 में विरोध प्रदर्शन किया। वे 12-14 वर्षों से अनुबंध पर थे और उन्हें बोनस, भत्ते, पेंशन या वेतन संशोधन नहीं दिए गए थे। अप्रैल, 2022 में छत्तीसगढ़ के राज्य बिजली विभाग के 200 संविदाकमिन्यों पर पहले पानी की बौछार की गई और फिर उन्हें गिरफ्तार किया गया। एक लोकसेवक के लिए ऐसी सूरत का सामना करना किस तरह त्रासद है, बताने की जरूरत नहीं। दरअसल, इस समस्या के पीछे दो बातें हैं। पहली तो यह कि सरकार में खाली पदों को तेजी से नहीं भरा जा रहा। जुलाई, 2021 में सभी स्तरों पर सरकार में 60 लाख से अधिक रिक्तियां थीं। इनमें से 9,10,513 केंद्रीय मंत्रालयों और सरकार के पास थीं, जबकि पीएसयू बैंकों में दो लाख रिक्तियां होने का अनुमान था। इसके अलावा राज्य पुलिस में 5,31,737 से अधिक रिक्तियां, जबकि प्राथमिक विद्यालयों में 8,37,592 पद खाली होने का अनुमान था। सरकार ने डेढ़ साल में 10 लाख लोगों की भर्ती की बात कही है, जो समस्या के आकार के हिसाब से अपर्याप्त है। हमें इस मोर्चे पर ज्यादा गंभीर पहल करनी होगी। दूसरी बात, जहां रिक्त पदों को भरा जा रहा है, वहां भी वह संविदा के आधार पर भरा जा रहा है। वर्ष 2014 में 43 फीसदी सरकारी कर्मचारियों की नौकरी अस्थायी या संविदा पर थी। इनमें करीब 69 लाख लोग आंगनवाड़ी जैसे शीर्ष कल्याण योजना के तहत कम वेतन (कुछ मामलों में तो न्यूनतम मजदूरी से भी कम) पर और न के बराबर सामाजिक सुरक्षा की स्थिति में काम कर रहे थे। 2018 आते-आते इस श्रेणी के सरकारी कर्मचारियों की संख्या 59 फीसदी तक पहुंच गई। मार्च, 2020 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में अस्थायी (संविदा) कर्मचारियों का आंकड़ा 4,98,807 तक पहुंच गया। इस दौरान स्थायी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 25 फीसदी घट गई। चुनिंदा सार्वजनिक उपक्रमों पर विचार करें, तो मार्च, 2020 में ओएनजीसी के पास 81 फीसदी यानी 43,397 कर्मचारी संविदा पर थे। कुछ राज्यों ने इसे और आगे ले जाने की राह पकड़ी। 2020 में, जब महामारी के कारण बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा हुई, तो उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रुप-बी और सी कर्मचारियों के लिए भर्ती में संशोधन करने की मांग की। पांच साल की अवधि के लिए संविदात्मक रोजगार बढ़ाने की इस पहल में कर्मचारियों को भत्ते और विशिष्ट लाभ की पेशकश नहीं की गई। गौरतलब है कि 2020 में उत्तर प्रदेश में ऐसे कर्मचारियों की संख्या नौ लाख थी। इस व्यवस्था के तहत पांच साल की अवधि के बाद नियमितीकरण की भी बात कही गई। अलबत्ता इसके लिए एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना लाजिमी होगा। जो इस प्रक्रिया में पास नहीं होंगे, उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। फरवरी, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे ही एक मामले में सवाल उठाया कि यदि ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों के पास अनुबंध की शर्तें हैं, तो इससे सार्वजनिक लोकाचार की नैतिकता कैसे बहाल रह पाएगी। हमें संविदात्मक रोजगार का विस्तार करने के बजाय सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ावा देना चाहिए। पिछले कुछ दशकों से हम सार्वजनिक सेवाओं में कम निवेश कर रहे हैं। हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था के पास महामारी तो छोड़िए, सामान्य परिस्थितियों में भी नागरिकों को पर्याप्त स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने की क्षमता नहीं है। सार्वजनिक सेवा प्रावधान के विस्तार से कुशल श्रम के साथ अच्छी गुणवत्ता वाली नौकरियों का सृजन भी होगा, जो हमें सामाजिक स्थिरता प्रदान करेगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने पर सामाजिक संपत्ति का भी निर्माण होगा। इससे आयुष्मान भारत जैसे बीमा-आधारित मॉडल के भी कारगर होने में मदद मिलेगी। ऐसे खर्च से अंततः उपभोक्ता मांग में वृद्धि के साथ कई ठोस प्रभाव सामने आएंगे। इन सबसे भारत के शहरों और गांवों में उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसी तरह अक्षय ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में भी रोजगार सृजन की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और हरित गतिशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण जनशक्ति की आवश्यकता होगी, जिससे हरित रोजगार पैदा होगा। इसके अलावा, हमें पर्माकल्चर (पारिस्थितिकी खेती), बागवानी और नर्सरी प्रबंधन में महत्वपूर्ण रोजगार क्षमता के साथ शहरी खेती को प्रोत्साहित करना चाहिए। सरकारी नौकरियों की चमक फीकी पड़ गई है। ऐसे में, हमें प्रतिभा को सरकार की ओर आकर्षित करने की जरूरत है। पेंशन और लाभों की लागत कम करने या उससे बचने के बजाय इसे अपेक्षित शक्ल देनी होगी। यह कुशल सिविल सेवा के लिए क्षमता निर्माण का समय है, जो भ्रष्टाचार मुक्त कल्याण प्रणाली, आधुनिक अर्थव्यवस्था और तेजी से बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करने की चुनौतियों का सामना कर सके।

नारी शक्ति : अब सपनों से समझौते नहीं करतीं लड़कियां, इक्कीसवीं सदी में बदल गया है भारत........

सपना और सुमन की कामयाबी में उनकी मां की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह बताती हैं कि उनकी इच्छा है कि उनकी बेटियां पढ़-लिखकर बड़ी अफसर बनें, जो मुकाम वह अपनी जिंदगी में हासिल नहीं कर पाईं, उनकी बेटियां हासिल करें। इक्कीसवीं सदी के भारत में बहुत बदलाव आ चुका है। इसका प्रभाव देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी नजर आता है। विशेषकर महिलाओं और किशोरियों के संबंध में यह बदलाव महत्वपूर्ण संकेत है। पहले की अपेक्षा अब उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की आजादी मिलने लगी है। शिक्षा के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी लड़कियों की भूमिका बढ़ने लगी है। फिर भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जिनमें ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है, इनमें सबसे प्रमुख समस्या बाल विवाह और बिना मर्जी के उनकी शादी की है। हालांकि अब लड़कियां पहले की तरह हर चीज चुपचाप स्वीकार नहीं करती हैं, बल्कि परिस्थितियों का सामना करती हैं और हर परेशानी में कुछ न कुछ रास्ता निकाल ही लेती हैं।ऐसी ही कहानी है राजस्थान के अजमेर जिला स्थित हासियावास गांव की दो बहनों-सपना और सुमन की, जिन्होंने शादी के बाद भी अपनी शिक्षा और फुटबॉल खेलने के सपने को जारी रखा। अभी दोनों बहनें पढ़ाई के साथ-साथ फुटबॉल भी खेलती हैं। अब उनकी छोटी बहन मोनिका भी उनके नक्शे कदम पर चल कर फुटबॉल खेलती है और अपनी प्रतिभा से अंडर-17 में जगह बना चुकी है। इसी वर्ष सपना और सुमन की शादी हुई थी। हालांकि वे शादी नहीं करना चाहती थीं, लेकिन कुछ पारिवारिक परिस्थितियों की वजह से मजबूरन उन्हें शादी करनी पड़ी। मगर उन्होंने शादी को अपने सपने टूटने की वजह नहीं बनने दिया। उन्होंने शादी करने के बदले कुछ शर्तें रखीं, जिन्हें परिवार वालों ने स्वीकार कर लिया। सपना ने बताया कि उसने और उसकी बहन ने शर्त रखी कि वे शादी तभी करेंगी, जब घर वाले शादी के बाद उन्हें तब तक ससुराल न भेजें, जब

तक कि उनकी पढ़ाई पूरी नहीं हो जाती है और वे अपने सपने पूरे नहीं कर लेतीं। सपना ने बताया कि अभी वह बीए सेकेंड इय्यर में है और महिला जन अधिकार समिति द्वारा चलाई जा रही एक योजना के अंतर्गत फुटबॉल खेलने के अपने सपने को भी पूरा कर रही है। वह टीम कप्तान होने के साथ-साथ पढ़ाई में भी अव्वल है। 12वीं कक्षा में पूरे नागौर जिले में प्रथम आने के कारण सपना को प्रियदर्शनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सपना का कहना है कि वह फुटबॉल की एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनने के साथ ही आईएएस ऑफिसर बनना चाहती है। वह कहती है कि शादी का मतलब जिंदगी का रुक जाना नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ इस तरह की परिस्थितियों का सामना करने की जरूरत है। सपना की तरह सुमन भी बीए सेकेंड इय्यर में पढ़ती है और वह भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी और प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहती है। सुमन का चयन अंडर-18 फुटबॉल नेशनल टीम के लिए भी हुआ था। वह कहती है कि सभी की तरह उसे भी अपनी जिंदगी, अपनी मर्जी से जीने का अधिकार है और वह अपने इन अधिकारों से भली-भांति परिचित है। दोनों बहनों ने बताया कि उनके ससुराल वाले उन्हें पढ़ाई में पूरा सहयोग दे रहे हैं और वे भी चाहते हैं कि ये लड़कियां अपने जीवन में आगे बढ़ें और जिस मुकाम पर पहुंचना चाहती हैं, वह मुकाम हासिल करें। सपना और सुमन की इस कामयाबी में उनकी मां की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह बताती हैं कि उनकी इच्छा है कि उनकी बेटियां पढ़-लिखकर बड़ी अफसर बनें, जो मुकाम वह अपनी जिंदगी में हासिल नहीं कर पाईं, उनकी बेटियां हासिल करें। उनकी बेटियां उनकी तरह घर की चारदीवारी तक सिमट कर न रह जाएं। उनकी मम्मी को भी बचपन में खेलना बहुत पसंद था, इसलिए वह चाहती हैं कि उनकी बेटियां खूब खेलें और न केवल देश का नाम रोशन करें, बल्कि उनके सपनों को भी पूरा करें।यह कोई छोटी बात नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर राजस्थान जैसे राज्य के ग्रामीण इलाके में यह बहुत बड़ी बात है, जहां परंपराओं और रीति-रिवाजों के नाम पर बाल विवाह और महिलाओं का शोषण आम बात है। ऐसे में इन बहनों ने न केवल समाज की बनाई हुई परंपराओं को चुनौती दी, बल्कि जीत भी हासिल की है। सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े कितने ही कानून क्यों न बना दे, लेकिन बदलाव कानून बनाने से नहीं, बल्कि जागरूकता और लोगों की सोच बदलने से ही आएगा। बीते दो साल में यह दूसरा मौका है, जब एमपी पीएससी में विवादास्पद और बेहद आपत्तिजनक प्रशन परीक्षार्थियों से पूछा गया है। मामला तूल पकड़ने पर खुद आयोग ने इस प्रशन से असहमति जताई और इस प्रशन को रद्द कर दिया गया है। इसे 'अति लोकतंत्र' कहें, घोर लापरवाही कहें या जड़ता कहें, कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) की हालिया परीक्षा में कश्मीर से सम्बन्धित एक ऐसा सवाल पूछा गया जो भारत के कश्मीर पर शुरू से चले आ रहे अधिकृत स्टैंड को ही नकारता है। यह सवाल भी उस परीक्षा में पूछा गया, जो सरकार में वरिष्ठ पदों पर सीधी भर्ती के लिए है। इस पर काफी बवाल मचा। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार का कहना है कि इस मामले में पेपर सेटर को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। साथ ही परीक्षा आयोजक एमपी पीएससी और उच्च शिक्षा विभाग को भी पेपर सेटर के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। बीते दो साल में यह दूसरा मौका है, जब एमपी पीएससी में विवादास्पद और बेहद आपत्तिजनक प्रशन परीक्षार्थियों से पूछा गया है। मामला तूल पकड़ने पर खुद आयोग ने इस प्रशन से असहमति जताई और प्रशन को रद्द कर दिया गया है। दो साल पहले इसी परीक्षा में प्रदेश के भील आदिवासियों को लेकर भी ऐसा ही सवाल पूछा गया था, जिसकी जांच के आदेश तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दिए थे। लेकिन लगता है, उसका कोई खास असर नहीं हुआ। आपत्तिजनक और औचित्यहीन प्रशनें के पूछने का सिलसिला जारी है और वो भी प्रदेश के भावी सिविल सेवकों से। जिन्हें सरकार की नीतियों के दायरे में ही काम करना है। क्या है पूरा मामला ताजा मामला एमपीपीसीएस की 19 जून को आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य अभिरुचि परीक्षण के प्रशन-पत्र में पूछे गए सवाल का है। इसमें पूछा गया था कि क्या भारत को कश्मीर को पाकिस्तान को दे देने का निर्णय कर लेना चाहिए इसमें परीक्षार्थियों को प्रशन के साथ दो तर्क भी दिए गए। पहला हां, क्योंकि यह भारत के पैसे बचाएगा और दूसरा विकल्प था नहीं, क्योंकि इससे और अधिक मांगें उठेंगी। इसके आधार पर परीक्षार्थियों से जवाब देने के लिए कहा गया। इस प्रशन पत्र को सेट करने वाले व्यक्ति कौन है, यह सरकार छुपा रही है, लेकिन राज्य के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से कहा कि यह पूरा प्रसंग आपत्तिजनक है।

अगले राष्ट्रपति का चेहरा : मुर्मू की उम्मीदवारी पर मोहर के मायने और आगामी चुनावी राजनीति के लिए एनडीए का संदेश.......

सवाल यह उठता है कि विपक्ष सभी पाटिर्यों को एकजुट करने के लिए किसे अपना वार्ताकार बनाता है, जो सभी पाटिर्यों के नेताओं से बात करे। यशवंत सिन्हा और कपिल सिब्बल ने कहा है कि वे विपक्ष को एकजुट करने की पहल करेंगे। अगर विपक्ष इसे अवसर मानकर एकजुट होने की कोशिश करे, तभी कुछ हो सकता है, में देखा। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ने राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अन्य दलों से सर्वानुमति बनाने के काम पर लगा दिया था। ऐसा लगता था कि वह यह संदेश देना चाहते थे कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, क्योंकि हाल के दिनों में उन्हें कई झटके झेलने पड़े थे। जैसे पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक बयान

अन्यथा विपक्ष की स्थिति कोई अच्छी नहीं है। जनजाति चूंकि नवीन पटनायक और जगन मोहन रेड्डी भी प्रधानमंत्री से मिल चुके थे और कहा गया था कि उन्होंने समर्थन का वादा किया था, हालांकि उन्होंने खुलकर कुछ नहीं कहा था। फिर भी यह लगभग तय था कि अगर ये पाटिर्यां समर्थन नहीं भी करेंगी, तो भी छोटी पाटिर्यों और निर्दलियों के समर्थन से एनडीए का उम्मीदवार जीत जाएगा, जैसा कि हमने राज्यसभा चुनाव और महाराष्ट्र के विधान परिषद के चुनाव और अगिन्पथ योजना को लेकर भाजपा बैकफुट पर थी। इसके बावजूद उम्मीदवार चयन को लेकर सर्वानुमति बनाने की कोई ठोस पहल नहीं की गई थी। जब द्रौपदी मुर्मू का नाम सामने आया, तो स्पष्ट हो गया कि काफी सोच-विचार कर उनके नाम पर फैसला हुआ है, क्योंकि इसका एक बड़ा महत्व है। एक अनुसूचित जनजाति की महिला को देश के शीर्ष पद का उम्मीदवार बनाने का मतलब यह कि देश के लोकतंत्र में उपेक्षित और वंचित तबकों को ऊपर उठने का मौका मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दो जुलाई को दोबारा होगी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा, पहले करनी पड़ी थी रद्द

राजस्थान। पुलिस द्वारा 14 मई को दूसरी पारी में आयोजित की गई कॉन्स्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा अब दोबारा दो जुलाई को आयोजित की जाएगी। राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के 4,588 पदों के लिए भर्ती परीक्षा पहले 13 मई से 16 मई, 2022 तक आयोजित की गई थी। इसमें से लिखित परीक्षा के दूसरे दिन यानी 14 मई की दूसरी पारी के पेपर को अपरिहार्य कारणवश निरस्त कर दिया गया था। इसलिए अब दोबारा आयोजित किया जा रहा है।राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए दोबारा ली जा रही परीक्षा दो जुलाई, 2022 को आयोजित की जानी निधार्रित है। कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों में उम्मीदवारों के लिए प्रवेश का समय सुबह छह बजे से सात बजे तक है। सात बजे के बाद आने वाले उम्मीदवारों को किसी भी सूरत में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसलिए, भर्ती परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक सभी उम्मीदवार निर्धारित समय से पूर्व ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोननति बोर्ड विनीता ठाकुर ने बताया कि कॉन्स्टेबल भर्ती 2021 की 14 मई, 2022 को दूसरी पारी में आयोजित लिखित परीक्षा में उपस्थित अभ्यार्थियों की दोबारा लिखित परीक्षा दो जुलाई को प्रातः काल आठ बजे से 10 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए 25 जिलों में 292 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। राजस्थान पुलिस भर्ती एवं पदोननति बोर्ड की अतिरिक्त महानिदेशक विनीता ठाकुर ने बताया कि इस परीक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दोबारा आयोजित की जा रही इस परीक्षा में 01 लाख 72 हजार परीक्षार्थी भाग ले सकेंगे। अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र की जानकारी शीघ्र ही राजस्थान पुलिस की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

प्रदेश सरकार ने सामाजिक कल्याण की योजनाओं से करोड़ों लोगों को किया लाभान्वित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रदेश में सामाजिक कल्याण के जितने कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में हुए हैं, उतने पूर्व की किसी सरकार ने नहीं किये। वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन जो पहले 500 रू0 प्रतिमाह थी उसे बढ़ाकर 1000 रू0 प्रतिमाह की दर से कर दिया है। प्रदेश के 58 लाख वृद्धजनों, 31 लाख निराश्रित महिलाओं, 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रू0 प्रतिमाह की दर से पेंशन दी जा रही है। यह सभी पात्र लाभार्थी समाज के ऐसे पुरूष, महिला, दिव्यांगजन हैं जिन्हें परिवार के लोग बोझ समझते हैं। मुख्यमंत्री जी ने समाज के इन वर्गों को 12000 रूपये वार्षिक पेंशन देते हुए आत्म सम्मान से जीने के लिए समर्थ बनाया है। आज किसान/वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन के लाभार्थी समाज में सिर ऊंचा कर जी रहे हैं और प्रदेश सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं।प्रदेश में कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों के भरण पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ''उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'' शुरू की है, जिसमें शून्य से 18 वर्ष की उम्र तक के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों या माता/पिता की कोविड से मृत्यु हुई है ऐसे बच्चों के भरण-पोषण शिक्षा चिकित्सा हेतु 4000 रू0 प्रतिमाह दिया जा रहा है। बालिकाओं के बालिग होने पर शादी के लिए रूपये 1,01,000 (एक लाख एक हजार रूपये) दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 11049 बच्चों को आर्थिक सहायता दी गई है। उसी तरह जिन बच्चों ने कोरोना काल में कोविड से इतर कारणों से अपने माता-पिता को खोया है उन्हें उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत 2500 रू0 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। प्रदेश में अब तक 5284 बच्चों को चिन्हांकित कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में समान लिंगानुपात, कन्या भ्रूण हत्या रोकने व लोगों में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए दो बालिकाओं तक के जन्म पर संचालित ''मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत'' 12.68 लाख से अधिक बालिकाओं को 15 हजार रू0 प्रति बालिका दिया गया है। सभी वर्गों के गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह हेतु संचालित ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत'' प्रदेश में अब तक 1.75 लाख जोड़ों से अधिक तथा श्रमिकों की कन्याओं के विवाह हेतु संचालित ''कन्या विवाह अनुदान योजनान्तर्गत'' 94 हजार कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया है। प्रदेश में समेकित बाल विकास सेवा योजनान्तर्गत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चो, गर्भवती व धात्री महिलाओं को अनुपूरक पुष्टाहार वितरित किया जा रहा है।प्रदेश के 15 करोड़ अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को निःशुल्क गेहॅू, चावल खाद्यान्न के साथ-साथ आयोडाइज्ड नमक, चना, दाल, साबुन, रिफाइन्ड, खाद्य तेल का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा 3 करोड़ मजदूरों को मार्च, 2022 तक 500 रूपये प्रतिमाह भत्ता और 98 लाख नागरिकों को 1000 रूपये प्रतिमाह का भत्ता दिया गया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत 1.67 करोड़ महिलाओं को मुफ्त घरेलू कुकिंग गैस कनेक्शन देने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना है। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के 42.50 लाख पात्रों को तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1.02 लाख परिवारों को छत मुहैया कराई गई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2.61 करोड़ व्यक्तिगत शौचालय/इज्जतघर का निर्माण कराया गया जो देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजनान्तर्गत 10 करोड़ लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश के गरीबों को सौभाग्य योजनान्तर्गत 1.41 करोड़ घरों में मुफ्त विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। प्रदेश में शुद्ध पीने के पानी की आपूर्ति सरकार घरों में कर रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश सरकार 4.67 करोड़ घरों को शुद्ध पाइप पेयजल की सुविधा 'हर घर नल' योजना के अंतर्गत आपूर्ति कर रही है।

कार में जिंदा जले तीन दोस्त लापरवाही ने लील ली तीन जिंदगी, रिफ्लेक्टर होते तो बच सकती थी जान......

हरियाणा। सोनीपत में नेशनल हाईवे बनने से जहां लोगों को सुविधा मिल रही है, वहीं अधूरे निर्माण कार्य व भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। एनएच-334बी पर हुए दर्दनाक हादसे में एमबीबीएस के तीन छात्र जिंदा जल गए। इस मामले में जान गंवाने वाले छात्र के पिता ने पर बने अवैध कट, बिना सूचना पट के निर्माण कार्य व रात के समय रोशनी की व्यवस्था न होना हादसे का कारण बन जाता है।छात्रों की मौत के मामले में भी परिजनों का आरोप है कि जहां पर हादसा हुआ है, वहां फ्लाईओवर के पास रास्ता बंद कर बीच सड़क पत्थर के बैरिकेड रखे गए है। पत्थरों पर न तो कोई रिफ्लेक्टर लगाया गया था और

एनएचएआई पर घोर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कुछ दिन पहले एनएच-44 पर भी पराठे खाने आए दिल्ली के तीन युवकों की जान गई थी। हाईवे पर यात्रा के दौरान अक्सर वाहन चालक बेहतर यात्रा को लेकर आश्वस्त हो जाते है। वह हाईवे पर वाहन की रफ्तार को भी बढ़ा देते है। हाईवे पर रफ्तार के तय मानक भी कई बार पीछे छूट जाते है। ऐसे में हाईवे पर अधूरे इंतजाम वाहन चालकों पर भारी पड़ते है। सड़कों न ही पेंट किया गया था। कोई चिह्न, मार्का, रोड डाई वर्जन, ब्लिंकर लाइट तक नहीं है। जिसके चलते रात को पुलकित पत्थर नहीं देख सका और उनकी कार हादसाग्रस्त हो गई। रात को खाली हाईवे पर कार पत्थर पर ही चढ़ गई और आग लग गई कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे और कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे के साथ ही नेशनल हाईवे-44 पर रोजाना सुविधाओं के अभाव में हादसे हो रहे हैं।

राजस्थान पीटीईटी के एडमिट कार्ड जारी, तीन जुलाई को होगी प्री बीएड परीक्षा........

राजस्थान। पीटीईटी परीक्षा हर साल शिक्षक पाठ्यक्रम प्री बीए बीएड / बीएससी बीएड और प्री बीएड 2022 में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, राजस्थान ने तीन जुलाई को होने वाली पीटीईटी परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। पीटीईटी परीक्षा हर साल शिक्षक पाठ्यक्रम प्री बीए बीएड / बीएससी बीएड और प्री बीएड 2022 में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। पीटीईटी के लिए ऑनलाइन आवेदन एक मार्च से 15 अप्रैल, 2022 तक स्वीकार किए गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, इस साल लगभग 5.42 लाख उम्मीदवारों ने राजस्थान पीटीईटी परीक्षा के लिए पंजीकरण किया है, जबकि बीते साल 2021 में 5.46 लाख उम्मीदवारों ने पीटीईटी के लिए आवेदन किया था और परीक्षा का परिणाम सितंबर, 2021 में जारी किया गया था।उम्मीदवार नीचे दिए

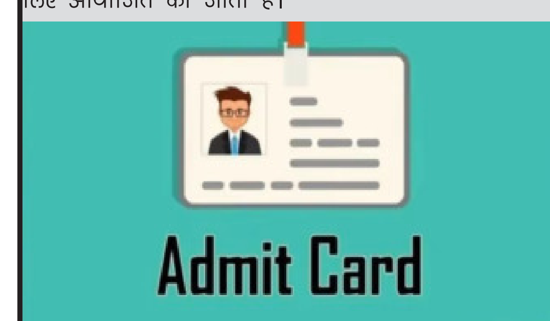

उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट से पीटीईटी प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। राजस्थान पीटीईटी प्रवेश पत्र में उम्मीदवारों के नाम, रोल नंबर, परीक्षा केंद्र का नाम और पता, समय, रिपोर्टिंग समय आदि जैसे महत्वपूर्ण विवरण शामिल हैं। उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र पर सभी विवरणों की सावधानीपूर्वक जांच करने के लिए निर्देशित किया जाता है। राजस्थान गए चरणों का पालन करके राजस्थान पीटीईटी 2021 एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। चरण 1ः सबसे पहले ऊपर बताए गए राजस्थान पीटीईटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। चरण 2ः अब होम पेज पर, पीटीईटी एडमिट कार्ड डाउनलोड करें लिंक खोजें। चरण 3ः यह एक लॉगिन पोर्टल की ओर जाता है। उम्मीदवार इसे फॉर्म नंबर या रोल नंबर दर्ज करके एक्सेस कर सकते हैं ।

भगवंत मान सरकार का पहला बजट सत्र आज से, 27 को पेश होगा पेपरलेस बजट

पंजाब। बजट सत्र के दौरान विपक्षी दल कांग्रेस, भाजपा और शिअद कानून-व्यवस्था को लेकर मान

सरकार पर निशाना साधेंगे। खासकर पिछले महीने लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर हंगामे के आसार हैं। वादे नहीं पूरा करने पर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर होंगे। भगवंत मान सरकार का पहला बजट सत्र आज शुरू होगा। सदन के सदस्य शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर श्रद्धांजलि और धन्यवाद प्रस्ताव के लिए एकत्र होंगे, इसके बाद इस पर चर्चा होगी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा 2022-23 का बजट 27 जून को पेश करेंगे और उसके बाद बजट पर आम चर्चा होगी। कार्यक्रम के अनुसार बजट सत्र 30 जून तक संचालित होगा। सत्र के दौरान विपक्षी दल राज्य की कानून-व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर सत्तारूढ़ आप के खिलाफ आक्रामक होंगे। विपक्ष पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को भी जोरशोर से उठाने की तैयारी में है।

23 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में माननीय सांसद डॉ महेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति ''दिशा'' की बैठक होगी आयोजित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिलाधिकारी सुहास एल.वाई. ने जनपद के समस्त विभागीय अधिकारियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि 23 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11:00 बजे से ग्राम्य विकास एवं शहरी विकास के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा/ अनुश्रवण के उद्देश्य से सांसद डॉ महेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति ''दिशा'' की बैठक का आयोजन होगा। डी एम ने समस्त विभागीय अधिकारीगणों को निर्देश देते हुए कहा है कि बैठक से संबंधित अपनी-अपनी सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करते हुए निर्धारित समय, तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करेंगे।

कलयुग केवल नाम अधारा,सुमिरि सुमिरि नर उतरहि पारा..............

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। श्री राधे श्याम भागवत सेवा समिति सलारपुर के द्वारा सैंगर पब्लिक स्कूल राजीव कॉलोनी

सलारपुर नोएडा में आयोजित 11वी भागवत कथा क् आज छठे दिन कथावाचक वृंदावन किंकर पंडित उमेश चंद्र शास्त्री के द्वारा रासपंचाध्यायी, उद्धव गोपी संवाद,रुक्मिणी महोत्सव का वर्णन विस्तार से बताया गया। कथाव्यास उमेश चंद्र शास्त्री ने कथा मे कहा कि कलयुग केवल नाम अधारा सुमिरि सुमिरि नर उतरहि पारा। आज के इस कलयुग मे बिना भगवान के नाम का जप करे कल्याण नहीं होने वाला है। सत्संग एवं कथाओं से ही हमारा उद्धार होना संभव हो सकेगा। आज की कथा मे श्रोताओं ने मंत्रमुग्ध होकर कथा का आनंद लिए ।इसके बाद आरती और प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर आशुतोष पांडेय,वरिष्ठ पत्रकार देव मणि शुक्ल,समाजसेवी पंकज झा, महेश शर्मा,सुबेराम शर्मा,रविंद्र शर्मा ,नरेंद्र शर्मा, देवचंद्र झा, रमाकांत झा,जितेन्द्र पाठक,हरिराम दूबे,धर्मेंद्र पाठक,दयानंद शर्मा,विनोद शर्मा,शैलेंद्र सिंह,जयवीर शर्मा, शम्भू झा,सतीश शर्मा,श्रवण त्यागी,जयराज भाटी,घनश्याम झा,मुकेश शर्मा,अंकित शर्मा,रिंकू शर्मा,लखीचंद शर्मा,संदीप चौहान,प्रदीप शर्मा,प्रवीण शर्मा, बंटी शर्मा,राहुल शर्मा,सौरव शर्मा ,चिंटू मिश्रा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे ।

संगरूर लोकसभा उपचुनाव मतदान प्रतिशत गिरने से सभी दल हैरान, इस सीट से जुड़ी है सीएम भगवंत मान की प्रतिष्ठा

पंजाब। में संदीप नंगल अंबियां से लेकर सिद्धू मूसेवाला तक की हत्या और रोजाना हो रही गैंगवार और लूटपाट से आम नागरिक काफी परेशान है। सिद्धू मूसेवाला मालवा से थे और मालवा में ही उपचुनाव था। ऐसे में लोगों के रोष व गुस्से के कारण मतदान कम हुआ है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के अपने गढ़ संगरूर में उपचुनाव में वोट प्रतिशत गिरने से तमाम राजनीतिक दलों के नेता हैरान हैं। शाम पांच बजे तक 37 फीसदी मतदान से यह साफ हो गया है कि लोगों ने मतदान में रुचि नहीं दिखाई। मतदान प्रतिशत कम होने से यह भी साफ है कि युवाओं ने संगरूर लोकसभा उपचुनावों में उस जोश से हिस्सा नहीं लिया है, जितना चंद माह पहले विधानसभा चुनावों में लिया था सीएम मान के विधानसभा क्षेत्र धूरी में महज 33 फीसदी मतदान हुआ है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बने अभी तीन माह का समय ही बीता है और संगरूर सीट भगवंत मान के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है, क्योंकि वह दो बार जीतकर यह सीट आम आदमी पार्टी की झोली में डालते चुके हैं। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ है, जब कानून-व्यवस्था और गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर आप विपक्ष की तीखी आलोचना का सामना कर रही है। सिद्धू मूसेवाला की सिक्योरिटी को कम करना, उसको सार्वजनिक करने के अगले दिन गायक की हत्या हो जाना इससे युवाओं को गहरा आघात लगा है। सिद्धू मूसेवाला के फैन पंजाब से लेकर विदेश तक हैं। मूसेवाला की हत्या के बाद मान सरकार कटघरे में है। ऐसा माना

जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के प्रति युवाओं में खासा रोष है। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अमित तनेजा का कहना है कि इस चुनाव में कानून व्यवस्था का मुद्दा काफी अहम था। पंजाब में संदीप नंगल अंबियां से लेकर सिद्धू मूसेवाला तक की हत्या और रोजाना हो रही गैंगवार और लूटपाट से आम नागरिक काफी परेशान है। सिद्धू मूसेवाला मालवा से थे और मालवा में ही उपचुनाव था। ऐसे में लोगों के रोष व गुस्से के कारण मतदान कम हुआ है। पंजाब में दिल्ली सरकार का हावी होना और पंजाब के नेताओं को पॉवरलेस रखना भी इसका अहम कारणा है। तनेजा का कहना है कि पंजाब में 92 विधायक आम आदमी पार्टी के जीतकर आए हैं। उनको जनता की कसौटी पर खरा उतरना होगा, अगर उनकी सुनवाई नहीं होगी और हर काम दिल्ली से होगा तो स्थानीय लोगों का नाराज होना जायज है। यही एक बड़ी वजह है कि लोग लोकतंत्र के इस पर्व से दूर रहे ड्रग, बेअदबी के केसों में कार्रवाई न होने से भी गुस्सा पंजाब में ड्रग, बेअदबी के केसों में ठोस कार्रवाई न होने से भी लोगों में उत्साह नहीं रहा है। अकाली दल के नेता सुखमिंदर सिंह राजपाल का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने चुनावों से पहले लोगों को सपने दिखाए थे। हम आते ही 24 घंटे में ड्रग बेअदबी के केसों में आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे डालेंगे लेकिन उलटा हुआ।

पटना के जेपी गंगा पथ का उद्घाटन आज करेंगे सीएम नीतीश, राज्य मंत्री नितिन ने गिनाई इसकी खूबियां

पटना। जेपी पथ न सिर्फ पटना के लोगों के लिए बल्कि उत्तर बिहार से पटना आने वाले लोगों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण सड़क होगी। गंगा पथ पर 8 जगहों पर संपर्क पथ का निर्माण किया गया है। पटना के जेपी गंगा पथ का पटना के मरीन ड्राइव का उद्घाटन 24 जून को सीएम नीतीश कुमार करेंगे।आगे उन्होंने कहा कि जेपी पथ न सिर्फ पटना के लोगों के लिए बल्कि उत्तर बिहार से पटना आने वाले लोगों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण सड़क होगी।

उद्घाटन आज (24 जून) को होने जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए राज्य मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि करीब 3,381 करोड़ की योजना है, इसका पहला फेज पूरा हो गया है। साथ ही कहा कि जेपी गंगा पथ से जेपी सेतु पथ का कनेक्शन हो रहा है और अटल सेतु से जेपी गंगा पथ का कनेक्शन हो रहा है। गंगा पथ पर 8 जगहों पर संपर्क पथ का निर्माण किया गया है। साथ ही बताया कि पहले फेज में एलसीटी घाट, एएन सिन्हा इंस्टिट्यूट और पीएमसीएच से दीघा दीदारगंज एलिवेटेड रोड का संपर्क पथ जुड़ेगा। इसके पूरा हो जाने पर राजधानी और पटना सिटी के लोगों को शहर में व्याप्त रोड जाम से निजात मिलेगी।

सीमा पार से घुसपैठ की फिराक में 300 आतंकी, मच्छिल सेक्टर पर आतंकियों की रहती है नजर

जम्मू । श्रीनगर से करीब 200 किलोमीटर दूर माच्छिल सेक्टर की एलओसी पर अग्रिम चौकी 'गौतम पोस्ट' समुद्र तल से करीब 2250 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। 90 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद जब चरम पर था तब यह यह सेक्टर घुसपैठ के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रूट था। वर्ष 2008 से अब तक इस सेक्टर में एलओसी के करीब 350 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं और सेना के भी 80 के करीब जवान शहीद हुए हैं। लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के करीब एक बार फिर से हलचल तेज होने लगी है। पीओके में लांचिंग पैड्स पर बड़ी संख्या में आतंकी एकजुट होने लगे हैं। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार इन आतंकियों की संख्या 200-300 के बीच है। यह सब कश्मीर घाटी में घुसने की फिराक में हैं। एलओसी पर जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए अमर उजाला की टीम उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले कुपवाड़ा के मच्छिल सेक्टर पहुंची जहां सेना के जवान दिन रात एलओसी की हिफाजत कर रहे हैं। श्रीनगर से करीब 200 किलोमीटर दूर माच्छिल सेक्टर की एलओसी पर अग्रिम चौकी 'गौतम पोस्ट' समुद्र तल से करीब 2250 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। 90 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद जब चरम पर था तब यह यह सेक्टर घुसपैठ के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रूट था। यह इलाका पारम्परिक घुसपैठ के रास्तों में से एक था। आतंकवाद की शुरुआत से पहले इन इलाकों में बीएसएफ

तैनात थी लेकिन 90 की शुरुआत में इनकी रखवाली का जिम्मा भारतीय सेना को सौंप दिया गया। इसके बाद से इस इलाके में घुसपैठ पर थोड़ी रोक लगी लेकिन पूरी तरह रोक नहीं लग पाई। वर्ष 2008 से अब तक इस सेक्टर में एलओसी के करीब 350 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं और सेना के भी 80 के करीब जवान शहीद हुए हैं। करीब 740 किलोमीटर लंबी एलओसी में से 25 किमी का हिस्सा मच्छिल सेक्टर में पड़ता है। यहां पिछले 15 सालों में 1500 से ज्यादा घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। और अब एक बार फिर से यहां से घुसपैठ का खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार पिछले 6 महीनों में पाकिस्तान के विभिनन्न सेक्टरों से 80-90 आतंकी घुसपैठ करने में कामयाब हुए हैं। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले छह महीनों में घाटी में हुई मुठभेड़ों में 118 आतंकी मारे गए जिनमें से 36 विदेशी थे। इसलिए अब सेना ने एलओसी के करीब चौकसी बढ़ा दी है। सेना के जवान दिन रात न सिर्फ पैदल पेट्रोलिंग कर रहे हैं। साथ ही थर्मल इमेजिंग डिवाइस, मूवमेंट रडार, पीटीजेड कैमरा, क्वाडकॉप्टर आदि इलक्ट्रोनिक सर्विलांस उपकरणों की मदद से पैनी नजर रखे हुए हैं। खराब मौसम में जब इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस काम न करे तो जवानों को पुराने तरीके से काम करना पड़ता है-मतलब पैदल ही पेट्रोलिंग करनी पड़ती है। इलाके चाहे दुर्गम हो या फिर खराब मौसम, इस सबके के बावजूद जवान दिन रात एलओसी की सुरक्षा में तैनात हैं। सेना के कैप्टन अभिजीत सिंह ने बताया कि पहले के मुकाबले सेना के पास काफी आधुनिक उपकरण हैं जिनसे वह पाकिस्तान की ओर से की जाने वाली हरकत पर नजर बनाए हुए हैं।

'शक्तिमान' के लिए मांगा था उधार तो 'भीष्म' बनना भी नहीं था तय अभिनेता मुकेश खन्ना किस्से......

नई दिल्ली । परिचय के मोहताज नहीं है। बी आर चोपड़ा की महाभारत में भीष्म पितामह की भूमिका और शक्तिमान में एक सुपरहीरो का किरदार निभाने वाले मुकेश खनन को बड़े से लेकर बच्चे तक हर कोई जानता है। लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि मुकेश खनन को बी आर चोपड़ा की महाभारत में दुर्योधन का किरदार ऑफर किया गया था? नहीं! तो आप यह तो जरूर जानते होंगे कि शक्तिमान में गंगाधर का किरदार एक अमेरिकी कॉमेडियन से प्रेरित था? क्या! आप यह भी नहीं जानते! कोई बात नहीं आज मुकेश खनन के जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनके दो लोकप्रिय किरदार - शक्तिमान और पितामह भीष्म से जुड़े कुछ अनसुने किस्से बताने जा रहे हैं। शक्तिमान में गंगाधर का किरदार एक अमेरिकी कॉमेडियन जेरी लुईस से प्रेरित था। इस बात का खुलासा खुद अभिनेता मुकेश खनन ने अपने एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि हिरन के दांतों का विचार जेरी लुईस से लिया गया था। बता दें कि अमेरिकन कॉमेडियन ने इस लुक को एक फिल्म 'द फैमिली ज्वेल्स' में कैरी किया था।मुकेश खनन ने बताया था कि शक्तिमान शुरू करने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने अपने दोस्त से मदद मांगी। उसने मेरे सीरियल में आठ लाख रुपये इनवेस्ट किए। लेकिन यह बात मुझे पसंद नहीं आई कि पूरी मेहनत मैं करूं और वह आठ लाख लगाकर 50 फीसदी का पार्टनर बन जाए। इसलिए मैंने

उसे ब्याज समेत 16 लाख लौट दिए और फिर मैंने अंबू मुरारका से मदद मांगी। उन्होंने बिना किसी ब्याज के 75 लाख रुपए दे दिए। जिसे मैंने दो साल बाद वापस लौटाए। बता दें कि शक्तिमान के मेकिंग के दौरान कई बार ऐसा समय भी आया जब बजट की कमी के कारण मुकेश खनन को अपने स्टाफ से पैसे मांगकर शो की शूटिंग पूरी करनी पड़ी थी। महाभारत में शकुनी का किरदार निभाने वाले गूफी पेनटल शो के कास्टिंग डायरेक्टर्स में से एक थे। उन्होंने ने ही मुकेश खनन को महाभारत में अर्जुन, कर्ण, कृष्ण और भीष्म में से किसी एक किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए बुलाया था। 15 फिल्मों में काम करने के बाद भी मुकेश खनन गेटअप में आए और ऑडिशन दिया। कुछ समय बाद गूफी ने कॉल कर कहा कि बी आर चोपड़ा साहब चाहते हैं कि आप दुर्योधन का रोल करो। लेकिन मुकेश ने साफ इंकार कर दिया। लेकिन गूफी उन्हें शो में कास्ट करना चाहते थे। इसलिए उन्हें मुकेश को गुरू द्रोणाचार्य का रोल ऑफर किया। मुकेश खनन ने हामी भर दी। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। भीष्म पितामह का रोल निभाने वाले एक्टर विजेंद्र घाटके किरदार में फिट नहीं बैठ पाए और बी आर चोपड़ा ने यह रोल मुकेश खनन को दे दिया।क्या आपको पता है, मुकेश खनन ने अब तक शादी नहीं की है। जब हाल ही में अभिनेता से शादी के बारे में पूछा गया तो मुकेश खनन ने कहा, 'एक जमाने में यह हर पत्रकार का पसंदीदा सवाल हुआ करता था। आपको बता दें कि मैं शादी के खिलाफ नहीं हूं। लोग अक्सर कहते थे कि मुकेश खनन ने भीष्म पितामह का किरदार निभाया था, जिसे वह अपने निजी जीवन में गोद ले रहे हैं, इसलिए उन्होंने शादी नहीं की। बता दें कि मैं इतना महान नहीं हूं और न ही कोई भीष्म पितामह बन सकता है। मैंने अपने निजी जीवन में भीष्म जैसा कोई संकल्प नहीं लिया, लेकिन मैं यह भी बता दूं कि मुझसे ज्यादा विवाह की संस्था को कोई नहीं मानेगा। मैं शादी के खिलाफ नहीं हूं। शादी किस्मत में लिखी जाती है और मेरी किस्मत में ये नहीं है।

क्षेत्रीय फिल्में नहीं करना चाहते पंकज त्रिपाठी, बोले- ऐसी भाषा में बोलना पसंद नहीं जिसमें...

नई दिल्ली । मनोरंजन जगत में बीते कुछ समय से भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में भाषा विवाद को लेकर कई सितारों में अपनी राय रखी है। जहां कुछ सितारे बॉलीवुड और साउथ को एक मान रहे हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जो अपनी ही भाषा की का विचार पसंद नहीं है, जिसमें मैं किसी भी फिल्म या वेब सीरीज में सहज महसूस नहीं करता हूं। कोई दूसरा मेरे डायलॉग बोले, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। मेरा अभिनय और भाव मेरी आवाज के पूरक हैं। इनके बिना मेरा अभिनय अधूरा है।' जब पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि क्या

फिल्मों में काम करना चाहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि वह कभी भी क्षेत्रीय फिल्में नहीं करेंगे, क्योंकि वह उसमें सहज महसूस नहीं करते। दरअसल, पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'शेरदिलः द पीली भीत' सागा के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें किसी ऐसी भाषा में फिल्म या शो में काम करने का विचार पसंद नहीं है, जिसमें वह सजह नहीं हैं। साथ ही वह अपनी आवाज को किसी अन्य अभिनेता द्वारा डब किए जाने के भी पक्ष में नहीं हैं। पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'मुझे ऐसी भाषा में बोलने वह कभी बंगाली फिल्म में काम करेंगे इस पर उन्होंने कहा, 'मैं थोड़ी बहुत बंगाली जानता हूं और पूरी तरह से समझता हूं लेकिन ज्यादा नहीं बोल सकता। लेकिन ये एक बंगाली किरदार निभाने के लिए पूरा नहीं है। अगर बंगाली फिल्म में मुझे हिंदी बोलने वाले किरदार की तरह ही लिया जाए, तो उस फिल्म को जरूर करना पसंद करूंगा।'पंकज त्रिपाठी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'शेरदिलः द पीलीभीत सागा' 24 जून को रिलीज हो रही है। यह फिल्म पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रीजीत मुखर्जी ने किया है।

स्मिता पाटिल के गुस्से पर फिदा हो गए थे राज बब्बर, जानें किस अंजाम पर पहुंची यह प्रेम कहानी

नई दिल्ली । फिल्मी पर्दे से लेकर राजनीति तक अपनी प्रतिभा के दम पर अलग मुकाम हासिल करने वाले अभिनेता राज बब्बर का आज जन्मदिन है। 23 जून 1952 को उत्तर प्रदेश के टुंडला में जन्मे राज बब्बर ने 80 के दशक में सिनेमा की दुनिया पर राज किया। उन्होंने नुक्कड़ नाटक और थिएटर से अपना सफर शुरू करते हुए फिल्मों में नाम कमाया और फिर राजनीतिक पारी शुरू की। जब भी राज बब्बर पर बात होगी तो उनकी फिल्मों और राजनीतिक करियर के अलावा बात उनकी प्रेम कहानी तक जरूर पहुंचेगी। 80 के दशक में राज बब्बर अपने दौर की बेहतरीन अदाकारा रहीं स्मिता पाटिल के प्यार में दीवाने थे। वह स्मिता से इस कदर प्यार कर बैठे थे कि शादीशुदा होते हुए भी वह उस दौर में उनके साथ पहले लिव-इन में रहे और फिर तमाम विरोध के बाद शादी के बंधन में बंधे। लेकिन, कुदरत को दोनों का यह साथ शायद मंजूर नहीं था और स्मिता पाटिल हमेशा-हमेशा के लिए राज बब्बर से बिछड़ गईं। आखिर, कैसे शुरू हुई थी दोनों की प्रेम कहानी और कैसे हुआ अंत, आइए जानते हैं। फिल्मों से इतर राज बब्बर अपने निजी रिश्तों को लेकर खूब चर्चा में रहे हैं। अपने संघर्ष के दिनों में उन्हें नादिरा बब्बर से प्यार हो गया था। दोनों नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के छात्र थे। दोनों ने 1975 में शादी कर ली थी और नादिरा जहीर का नाम नादिरा बब्बर हो गया। शादी के बाद राज और नादिरा दिल्ली में ही रहते थे। फिर इनकी बेटी जूही बब्बर का जन्म हुआ तो राज की जिम्मेदारी बढ़ीं। अब उन्हें ऐसे काम की तलाश थी जो उन्हें पैसा भी दे सके। उन्होंने अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाने का फैसला लिया और मुंबई चले आए। मुंबई आने के बाद अभिनय में राज का करियर चल पड़ा और साथ ही जिंदगी में एक

ट्विस्ट भी आया। मुंबई आकर राज बब्बर की मुलाकात स्मिता पाटिल से हुई। दोनों की पहली मुलाकात वर्ष 1982 में आई फिल्म 'भीगी पलकें' के सेट पर हुई थी। इस फिल्म में दोनों ही कलाकार मुख्य भूमिकाओं में रहे। पहली मुलाकात बहुत खास नहीं थी। एक इंटरव्यू में खुद राज बब्बर ने बताया है कि उस समय इस फिल्म की शूटिंग उड़ीसा के राउरकेला में चल रही थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी पहली मुलाकात स्मिता से हुई। इस मुलाकात के दौरान ही इन दोनों में पहले कुछ हंसी-मजाक हुआ और फिर बाद में थोड़ी-सी तकरार हो गई। हालांकि, राज बब्बर को स्मिता की जुबान से निकले हुए शब्द काफी पसंद आए। वह उसी वक्त स्मिता पर फिदा हो गए थे। मुंबई आकर राज बब्बर की मुलाकात स्मिता पाटिल से हुई। दोनों की पहली मुलाकात वर्ष 1982 में आई फिल्म 'भीगी पलकें' के सेट पर हुई थी। इस फिल्म में दोनों ही कलाकार मुख्य भूमिकाओं में रहे। पहली मुलाकात बहुत खास नहीं थी। एक इंटरव्यू में खुद राज बब्बर ने बताया है कि उस समय इस फिल्म की शूटिंग उड़ीसा के राउरकेला में चल रही थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी पहली मुलाकात स्मिता से हुई। इस मुलाकात के दौरान ही इन दोनों में पहले कुछ हंसी-मजाक हुआ और फिर बाद में थोड़ी-सी तकरार हो गई। हालांकि, राज बब्बर को स्मिता की जुबान से निकले हुए शब्द काफी पसंद आए। वह उसी वक्त स्मिता पर फिदा हो गए थे। राज-स्मिता की प्रेम कहानी ने नादिरा को तोड़ कर रख दिया। वर्ष 2013 में दिए एक इंटरव्यू के दौरान नादिरा ने कहा था कि जब उन्होंने राज बब्बर के मुंह से उनकी दूसरी प्रेम कहानी की बात सुनी तो वह हैरान रह गईं। हालांकि उन्होंने अपने आप को संभाला, क्योंकि उनके दो बच्चे भी थे। अगर मां की ही जिंदगी बिखर जाती तो फिर बच्चों का क्या होता है? इसके बाद नादिरा अपने बच्चों में और अपनी रंगमंच की दुनिया में बेहद व्यस्त हो गईं। हालांकि उन्होंने राज को अपने से कभी अलग नहीं किया। लेकिन, स्मिता का साथ भी नहीं छोड़ा।

क्या 'शमशेरा' में बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा पाएंगी वाणी जानें पिछली फिल्मों का कैसा रहा हाल

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर बहुत कम समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना चुकी हैं। वह जल्द ही फिल्म 'शमशेरा' में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाती नजर आएंगी। यह

पहला मौका होगा जब वाणी रणबीर कपूर के साथ काम कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक फिल्म में वाणी कपूर अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस पीरियड ड्रामा की रिलीज से पहले आज हम आपको वाणी की पांच फिल्मों का रिपोर्ट कार्ड बताने जा रहे हैं जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं।वाणी का एक्टिंग करियर यशराज फिल्म से ही शुरू हुआ था। साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा मुख्य किरदार में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 46.60 करोड़ का कलेक्शन किया था। साल 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में वाणी रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं। इस फिल्म से आदित्य चोपड़ा ने लंबे समय बाद बतौर निर्देशक वापसी की थी। फिल्म से लोगों को काफी उम्मीदें थीं लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर कुल 60.24 करोड़ की कमाई की, जिसकी वजह से इसे औसत घोषित किया गया।

हेयर' के को-क्रिएटर जेम्स राडो का निधन, 90 साल की उम्र में न्यूयॉर्क में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली । बुधवार सुबह संगीत की दुनिया के लिए एक दुखद खबर सामने आई है। म्यूजिकल हिप्पी 'हेयर 'के सह संस्थापक जेम्स राडो का निधन हो गया है। उन्होंने 90 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। इस बारे में उनके मित्र और प्रचारक मार्ले फ्रीमार्क ने बताया कि राडो का निधन मंगलवार को न्यूयॉर्क में हृदय गति रूक जाने की वजह से हुआ। कलाकार ने अपने परिवार की मौजूदगी में हुआ। जेम्स राडो को एक्वेरियन और लेट द सनशाइन जैसे गानों के लिए जाना जाता है। 'हेयर' की कहानी और गीत राडो और गेरोम रागनी ने लिखा था, जबकि संगीत गाल्ट मैक्डरमोट ने दिया था। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेखक जेस्म राडो ने अपने करियर की शुरुआत बतौर अभिनेता की थी। उन्होंने साल 1966 में जेस्म गोल्डमैन के नाटक में दग लायन इन विंटर में रोजमैरा हैरिस का किरदार

निभाया था। इसके अलावा उन्होंने क्रिस्टोफर वॉकन और माइकल निकोल्स के निर्माण में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। गौरतलब है कि जेम्स राडो और जेरोम रागिनी 60 के दशक के दौरान हिप्पी काउंटर कल्चर के साथ-साथ सेक्सुअल रिवैल्युएशन पर आधारित गाने हेयर को लिख रहे थे। ब्रीफ ऑफ ब्रॉडवे रन के बाद यह गाना 1968 के ब्रॉडवे शो में भी काफी हिट रहा था। जेम्स राडो को बेस्ट कास्ट शो एल्बम के लिए ग्रैमी अवार्ड से भी नवाजा गया था। इसके अलावा एक ओरिजिनल प्रोडक्शन के चलते उन्हें दो बारटोनी नॉमिनेशन भी मिले थे। इसके बाद साल 2009 में ब्रॉडवे रिवाइवल के हिट होने के बाद उन्हें बेस्ट रिवाइवल म्यूजिक के लिए टोनी पुरस्कार मिला था। इसी साल उनका नाम सॉन्ग राइटर के हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था। जेम्स राडो और रागिनी ने दो अन्य म्यूजिक पर भी काम किया, जिसका नाम 'सन एंड जैक साउंड' और 'हिज डॉग स्टार ब्लोइंग हिज फाइनल ट्रंपेट ऑन द डूम डे' था।

मस्कट से वापस लौटीं भोजपुरी की नंबर वन हीरोइन रही रिंकू घोष, आठ साल बाद शुरू की इस फिल्म की शूटिंग

नई दिल्ली । भोजपुरी सिनेमा की नंबर वन हीरोइन रहीं रिंकू घोष आठ साल बाद वापस कैमरे के सामने लौट रही हैं। रिंकू घोष की आखिरी फिल्म 'नगीना' 2014 में प्रदीप पांडे चिंटू के साथ रिलीज हुई और साल 2015 में वह बिजनेसमैन अमित दत्ता रॉय से शादी करके मस्कट चली गईं। अब वह भोजपुरी फिल्म 'नवरात्रि' से वापसी करने जा रही हैं। शादी के बाद रिंकू घोष साल भर पहले गंगा चैनल के रियलिटी शो 'मेमसाब नंबर वन' में जज बनकर नजर आ चुकी हैं और उल्लू एप के लिए वेब सीरीज 'पत्थर पेटी' में भी काम कर चुकी हैं लेकिन सिनेमा में उनकी वापसी फिल्म 'नवरात्रि' से ही हो रही है। अपनी वापसी पर रिंकू घोष कहती हैं, 'एक दिन वापस अपने देश तो आना ही था। पराया देश पराया ही होता है। और अपना देश अपना। शादी के बाद कुछ दिनों के लिए मुझे काम से ब्रेक लेना था ताकि अपनी शादीशुदा जिंदगी को पूरा समय दे पाऊं। अब मेरे पति भी वापस मुंबई में ही कारोबार शुरू कर चुके हैं तो मेरे लिए फिर से फिल्मों और वेब सीरीज में काम करना आसान हो गया है।' रिंकू घोष ने अभिनय की शुरुआत बांग्ला फिल्मों से की थी। हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों के अलावा वह तमिल व तेलुगू फिल्में भी कर चुकी हैं लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता भोजपुरी फिल्मों में ही मिली। रिंकू घोष ने भोजपुरी में डेब्यू फिल्म 'सुहागन बना सजना हमार' से किया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। रवि किशन, मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, पवन सिंह जैसे भोजपुरी के कई नायकों के साथ कई हिट फिल्में दे चुकी रिंकू घोष की साल 2014 के आखिरी में फिल्म 'नगीना' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ प्रदीप पांडे चिंटू थे। इस फिल्म के बाद रिंकू घोष साल 2015 में अमित दत्ता रॉय से शादी करके मस्कट चली गईं थी। कोरोना काल में दोनों वापस मुंबई लौटे। अमित का बिजनेस यहां सेट हो गया तो अब रिंकू भी भोजपुरी फिल्म 'नवरात्रि' से वापसी कर रही हैं। भोजपुरी सिनेमा में बदलाव को लेकर रिंकू कहती हैं, 'बदलाव अच्छा भी हुआ है और बुरा भी हुआ हैं। अगर भोजपुरी सिनेमा की बात करें तो इन दिनों बहुत अच्छी अच्छी फिल्में बन रही हैं। लोग कहानी और किरदार पर ध्यान दे रहे हैं, ये बहुत अच्छी बात है। आज थोड़ा बजट कंट्रोल में हो गया है। पहले भोजपुरी सिनेमा की शूटिंग बीस बाईस दिन में होती थी और अभी बारह से पन्द्रह दिन में शूटिंग पूरी हो जा रही है। अब डिजिटल का जमाना आ गया है। आज सारी चीजें चैनल के हिसाब से हो रही हैं। अब कम समय में ही अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश कर रहे हैं।'रिंकू घोष कहती है, 'वापस आने के बाद जिस तरह से लोगों का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोग मिल रहे है तो सोचती है कि कैसे इन लोगों से इतने साल तक मैं दूर रही। लोग कहते है आपके जाने से जो जगह खाली रह गई थी वो खाली ही है और आप के आने के बाद पूरी हो गई। इस बात की मुझे खुशी है कि लोग अभी भी मुझे प्यार करते हैं। हालांकि अब काफी नए लोग आ गए हैं जिनके साथ मैंने काम नहीं किया है, उन

लोगों के साथ अब नई शुरुआत हो रही है। जब मैंने भोजपुरी में पहली फिल्म 'सुहागन बना द सजना हमार' से की थी तो समय मैं काफी एक्साइटेड और नर्वस थी उतनी ही एक्साइटेड और नर्वस मैं 'नवरात्रि' की शूटिंग के दौरान थी।'

जब KGF फेम यश के लिए बयान देखकर मुश्किलों में आ गई थीं रश्मिका मंदान, मांगनी पड़ी थी माफी

नई दिल्ली । इन दिनों साउथ फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर बोलबाला है। बीते कुछ महीनों में 'पुष्पा', 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'आरआरआर' जैसी साउथ फिल्में रिलीज हुईं, जिनकी कमाई ने बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए थे। ऐसे में साउथ कलाकारों की लोकप्रियता भी हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच बढ़ गई है। यश, राम चरण, अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना समेत कई साउथ स्टार्स से जुड़ी हर अपडेट फैंस पाना चाहते हैं। फैंस इन कलाकारों के शांत स्वभाव को भी खूब पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार ये कलाकार भी अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का शिकार हो चुके हैं। एक बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने यश के लिए कुछ ऐसा कह दिया था, जिस वजह से उन्हें सामने आकर माफी तक मांगनी पड़ गई थी। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2017 में रश्मिका

मंदाना ने एक इंटरव्यू दिया था। इस इंटरव्यू के दौरान ही अभिनेत्री के साथ रैपिड फायर गेम खेला गया, जिसमें रश्मिका से कई मजेदार सवाल किए गए। इसी दौरान रश्मिका से कनन्ड़ फिल्मों से जुड़े एक सवाल पर यश के लिए कुछ ऐसा कह दिया था, जिस वजह से उन्हें रॉकी भाई के फैंस का गुस्सा झेलना पड़ा था। रश्मिका मंदाना से पूछा गया कि उनके हिसाब से कनन्ड़ फिल्म इंडस्ट्री में मिस्टर शोऑफ कौन है? इस सवाल पर एक्ट्रेस ने तपाक से यश का नाम ले लिया, जिसके बाद ही वह यश के फैंस के निशाने पर आ गई थीं। यश के फैंस ने रश्मिका मंदाना को खूब ट्रोल किया। सोशल मीडिया पर उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई गई, जिसके बाद रश्मिका को आगे आकर माफी तक मांगनी पड़ गई थी। रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मेरा यश सर या किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य नहीं था।

जान्हवी को रिक्शा चलाते देख चौंक गए पंजाब के गांव वाले

नई दिल्ली । साल 2018 में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'कोलामावू कोकिला' की जो हिंदी रीमेक फिल्म 'गुड लक जेरी' के नाम से बनी है। उसकी ओरिजनल में जान्हवी वाला किरदार नयनतारा ने निभाया है। जी हां, वही नयनतारा जो जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में दिखने बड़ी गाडि़यों से पहुंचना मुश्किल था लिहाजा जान्हवी को लोकेशन तक आने जाने के लिए बैटरी वाले रिक्शा को इस्तेमाल करना होता था। और, इस रिक्शा को लेकर ही एक दिन जान्हवी का मन डोल गया। जिस गांव में फिल्म 'गुड लक जेरी' की शूटिंग हो रही थी, वहां के लोग एक

वाली हैं। फिल्म 'गुड लक जेरी' की शूटिंग पंजाब में पिछले साल मकर संक्रांति के तीन दिन पहले शुरू हुई थी। उन दिनों कृषि कानूनों को लेकर किसानों का गुस्सा उबाल पर था, और इसके चलते शूटिंग में भी कई बार दिक्कतें हुईं। जिन इलाकों में फिल्म की शूटिंग हो रही थी, वहां दिन एक खूबसूरत सी लड़की को रिक्शा चलाते देखकर हैरान रह गए। दरअसल उस दिन जान्हवी का मन हुआ कि वह खुद रिक्शा चलाए। पहले तो टीम के लोगों ने उन्हें रिक्शा चलाने से मना किया, लेकिन जान्हवी कपूर कहां मानने वाली थी, वह अपनी धुन की पक्की हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

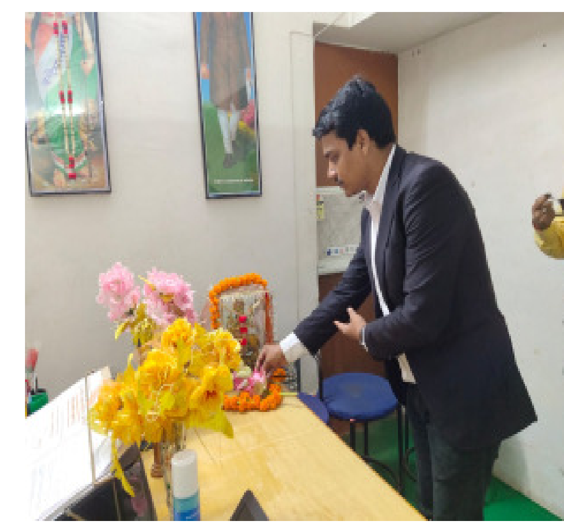

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

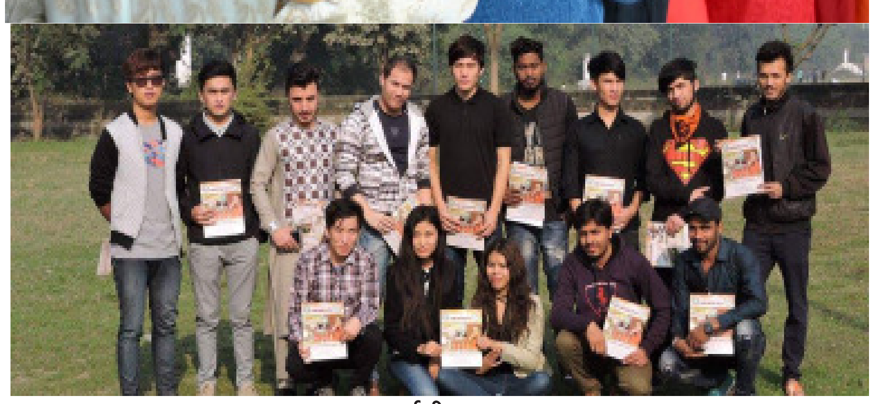

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्पूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274